mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-83 | पृष्ठ-8 | मूल्य-3 रूपये

सतना
27 मार्च 2025 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर... @ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

नाइजर में सैन्य जुंटा नेता ने पूरी तरह हाथ में ली कमान

नियामी (एजेंसी)। नाइजर में करीब 2 वर्षों से जारी गृह संघर्ष के बीच सैन्य जुंटा नेता अब्दुर्रहमान त्चियानी ने राष्ट्रपति पद के लिए शपथ ग्रहण किया है। इस प्रकार जुंटा नेता ने अब पूरी तरह से देश की कमान को अपने हाथ में ले लिया है। जुंटा नेता अब्दुर्रहमान त्चियानी को पांच साल की संक्रमणकालीन अवधि के लिए नाइजर के राष्ट्रपति के रूप में बुधवार को शपथ दिलाई गई। बता दें कि जुंटा नेता अब्दुर्रहमान त्चियानी नाइजर के संविधान का स्थान लेने वाले नये चार्टर के तहत इस पद पर आसीन हुए हैं। सरकार के महासचिव महामने रूफई के अनुसार, पांच साल की ''अनुनेय''

संक्रमणकालीन अवधि बुधवार से शुरू हुई। वह राजधानी नियामी में एक समारोह में बोल रहे थे, जिसमें हाल ही में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में अनुशंसित नये संक्रमणकालीन शासन चार्टर को मंजूरी दी गई। नाइजर में अगस्त 2023 में सेना द्वारा तख्तापलट कर दिया गया था। इसके बाद से ही दक्षिण अफ्रीकी देशों से तनाव चरम पर पहुंच गया। सैन्य तख्तापलट के बाद अफ्रीकी देशों ने नाइजर की सेना को 1 हफ्ते के अंदर राष्ट्रपति मोहम्मद बजौम को बहाल करने की समय सीमा दी थी। ऐसा नहीं करने पर नाइजर आर्मी को अफ्रीकी देशों ने सैन्य कार्रवाई की भी चेतावनी दी थी। इसके बावजूद बजौम की बहाली नहीं की गई। इसके बाद अफ्रीकी देशों ने लोकतंत्र की बहाली के लिए नाइजर में सेना भेजने का आदेश दिया था। हालांकि जुंटा ने साफ कहा था कि अफ्रीकी देशों ने अगर एक भी सैनिक नाइजर भेजा तो उन सबको मार दिया जाएगा। साथ ही बजौम को भी। इसके बाद अफ्रीकी देशों ने सैन्य ताकत का इस्तेमाल नहीं किया।

पाकिस्तान ने किया 4 संदिग्धों को गिरफ्तार करने का दावा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में इस महीने की शुरुआत में जाफर एक्सप्रेस के अपहरण में मदद करने के आरोप में चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। पाकिस्तान की सबसे बड़ी ट्रेन हाईजैक की इस घटना में अपहरणकर्ताओं ने 18 सुरक्षाकर्मियों सहित 26 बंधकों को मार गिराया था। प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने 440 यात्रियों को ले जा रही जाफर एक्सप्रेस का अपहरण कर लिया था। इस हमले में 26 बंधकों की जान चली गई थी। पाकिस्तान की सेना ने अगले दिन सभी 33 आतंकवादियों को मार गिराने और 354 बंधकों को मुक्त कराने का दावा किया था। हालांकि बीएलए का दावा था कि उसने 214 बंधकों समेत काफी संख्या में पाकिस्तानी सैनिकों को भी मार दिया है। ट्रेन

हाईजैक केस के बाद से बलूचिस्तान में कई हमले हुए हैं। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, बलूचिस्तान पुलिस के आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) के सूत्रों ने गिरफ्तारियों की पुष्टि की है। सीटीडी के सूत्रों ने कहा कि विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों की एक संयुक्त टीम जाफर एक्सप्रेस पर हमले की जांच कर रही है। ÷इन चार संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है,÷ उन्होंने कहा कि हमलावरों की पहचान करने के प्रयास भी जारी हैं। हमले में मारे गए आतंकवादियों के अवशेष फोरेंसिक साइंस एजेंसी को भेजे गए हैं। सूत्रों ने कहा कि हमलावरों द्वारा इस्तेमाल किए गए हथियार और संचार उपकरणों को जब्त कर लिया गया है और फोरेंसिक विश्लेषण के लिए भेज दिया गया है। इसके अलावा, हमलावरों के फिंगरप्रिंट पहचान के लिए राष्ट्रीय डेटाबेस प्राधिकरण को भेजे गए हैं।ट्रेन के अपहरण ने बलूचिस्तान में विद्रोही समूहों को भी बढ़ावा दिया है और इसके बाद कई अन्य छोटे आतंकवादी हमले हुए हैं।

मुंबई एयरपोर्ट के टॉयलेट में मिला नवजात का शव, जांच में जुटी पुलिस

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई एयरपोर्ट पर मंगलवार रात उस वक्त हड़कंप मच गया, जब टॉयलेट के डस्टबिन में एक नवजात बच्चे की लाश मिलने की सूचना आई। एयरपोर्ट के टॉयलेट में यह शव बीती रात करीब 10.30 बजे देखा गया, जिसके बाद एयरपोर्ट के सुरक्षाकर्मी के साथ नजदीकी पुलिस स्टेशन में इसकी जानकारी दी गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने बच्चे को कब्जे में लेकर हॉस्पिटल में भर्ती कराया। डॉक्टर ने चेक करते ही नवजात को मृत घोषित कर दिया। मुंबई की सहार पुलिस ने अज्ञात शख्स के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच में जुट गई है। ये बच्चा किसने फेंका, इसकी तलाश की जा रही है।

इससे पहले नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास खड़ी ट्रेन के दो डिब्बों को जोड़ने वाले 'कपलर' पर एक नवजात शिशु का शव मिला था। बच्चे का शरीर खून से लथपथ था, लेकिन उस पर कोई बाहरी चोट नहीं थी। पुलिस ने बताया था कि पहली नजर में देखकर ऐसा लगा कि नवजात को जन्म के तुरंत बाद ही वहां फेंक दिया गया था। पुलिस के मुताबिक, शव रेलवे स्टेशन के पास राजधानी कॉम्प्लेक्स में खड़ी ट्रेन के दो डिब्बों के बीच कपलर पर पड़ा मिला था। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को शव मिलने के बाद पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची थी। शिशु को सावधानीपूर्वक निकाला गया और कलावती अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम और पहचान के लिए एलएचएमसी की मोर्चरी में भिजवाया गया था।

राज्यसभा में सोनिया गांधी ने लगाया आरोप

'मातृ वंदना योजना के लिए बहुत कम बजट दिया गया'

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत बहुत कम बजट आवंटित किये जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने साथ ही सुझाव दिया कि इसके तहत गर्भवती महिलाओं को दिये जाने वाले आर्थिक लाभ की पूरी राशि प्रदान की जानी चाहिए। शून्यकाल में यह मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून 2013 और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत महिलाओं को मातृत्व लाभ प्रदान नहीं किए जा रहे हैं।
सोनिया ने कहा कि संसद ने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व में सितंबर 2013 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून को पारित किया था। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना का आधार था। उन्होंने कहा कि इस कानून के तहत अनौपचारिक क्षेत्र में गर्भवती महिलाओं को 6000 रुपये प्रदान किए जाने थे। उन्होंने कहा कि 2017 में शुरू की गई प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

में इस अधिकार को प्रदान किए जाने की बात कही गई थी किंतु इसके तहत ऐसी महिलाओं को मात्र 5000 रुपये देने का प्रावधान किया गया। इसमें दूसरे बच्चे के होने पर भी ऐसी सहायता देने की बात थी बशर्ते वह शिशु बच्ची हो।
सोनिया ने कहा कि 2022-23 में किए गए एक विश्लेषण के अनुसार 68 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत पहले बच्चे के जन्म के अवसर पर पहली किस्त प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि किंतु इसके अगले ही वर्ष इसमें बहुत अधिक गिरावट आई और यह मात्र 12 प्रतिशत ही रह गई। उन्होंने सरकार से जानना चाहा कि ऐसा क्यों होने दिया गया? उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून 2013 के तहत मातृत्व लाभ को पूरी तरह से लागू करने के लिए वार्षिक तौर पर 12,000 करोड़ रुपये के बजट की आवश्यकता पड़ेगी।
कांग्रेस नेता ने इस बात पर जताई हैरानी
सोनिया ने कहा कि यह हैरानी की बात है कि बजट डॉक्यूमेंट्स में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत किए गए आवंटन का अलग से जिक्र नहीं किया गया है।

धार में परिवार को बंधक बनाकर डकैती

धार (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के धार जिले के कुक्षी में बदमाशों ने हथियार की नोंक पर एक परिवार को बंधक बनाया और जमकर लूटपाट की। बदमाशों ने मोहल्ले वालों पर पत्थर बरसाए। जानकारी के अनुसार, कुक्षी तहसील के बाग नगर में बीती रात अज्ञात 20 हथियारबद्ध बदमाशों ने बाग के महाकालपुरा में रमेश सिसोदिया के घर पूरे परिवार

को हथियारों के बल पर बंधक बनाकर करीब एक घंटे तक जमकर लूटपाट की। पीड़ित ने बताया कि बदमाशों ने डेढ़ किलो चांदी, डेढ़ लाख नगद, सोने की दो चेन, कान की झुमकियां टॉप्स, चांदी के पायजब, कंदौरा, तीन बकरियां, एक नई एलईडी, एक मोबाइल और कागजात लूट लिया। पीड़ित परिवार के घर का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें घर के सारे सामान बिखरे नजर आ रहे हैं। इससे साफ नजर आ रहा है कि बदमाश मनमर्जी तरीके से लूटपाट को अंजाम दिए। घटना के दौरान बदमाशों ने मोहल्ले वालों पर पत्थर बाजी कर उनको भी घर से बाहर निकलने नहीं दिया। फरियादी के घर के लकड़ी के मुख्य द्वार पर सबल से दरवाजा तोड़कर 10 बदमाश अंदर घुसे और लूटपाट को अंजाम दिया।

'हिरासत में' संसद की कार्यवाही में हिस्सा लेंगे इंजीनियर राशिद

दिल्ली हाईकोर्ट ने दी अनुमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने टेरर फंडिंग से जुड़े एक मामले में जेल में बंद जम्मू-कश्मीर के सांसद अब्दुल राशिद शेख को ÷हिरासत में÷ संसद के मौजूदा सत्र की कार्यवाही में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी है। जस्टिस चंद्रधारी सिंह और जस्टिस अनूप जयराम भंभानी की बेंच ने कहा कि पुलिस इंजीनियर राशिद को 26 मार्च से चार अप्रैल के बीच हर दिन संसद भवन ले जाएगी और कार्यवाही समाप्त होने के बाद वापस जेल ले आएगी। बेंच ने कहा कि जेल से बाहर रहने के दौरान राशिद को मोबाइल फोन या लैंडलाइन का इस्तेमाल करने या मीडिया से बातचीत करने की इजाजत नहीं होगी। राशिद 2017 के आतंकवादी वित्त-पोषण मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (ृक्क) के तहत मुकदमे का सामना कर रहे हैं। उन्होंने 10 मार्च के निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी थी, जिसके तहत उन्हें लोकसभा की कार्यवाही में हिस्सा लेने के लिए चार अप्रैल तक अभिरक्षा पैरोल या अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया गया था।
शेख अब्दुल रशीद, जिन्हें इंजीनियर रशीद के नाम से जाना जाता है, एक कश्मीरी अलगाववादी राजनीतिज्ञ हैं। वर्तमान में वह जम्मू-कश्मीर में बारामूला निर्वाचन

क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले लोकसभा के सदस्य हैं। विधानसभा चुनावों के दौरान प्रचार करने के लिए उन्हें अंतरिम जमानत पर रिहा किया गया था। आवामी इत्तेहाद पार्टी के प्रवक्ता इनाम उन नबी ने सोशल मीडिया पोस्ट करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने खुशी जताते हुए लिखा, ÷लोकतंत्र की बड़ी जीत! दिल्ली हाई कोर्ट ने सांसद इंजीनियर राशिद को 18वीं लोकसभा के चौथे सत्र के दूसरे भाग (26 मार्च-4 अप्रैल, 2025) में हिरासत में भाग लेने की अनुमति दी। तमाम बाधाओं के बावजूद, उत्तरी कश्मीर के लोगों की आवाज़ संसद में गूंजेगी।÷

फिर वंदे भारत एक्सप्रेस में हुई पत्थरबाजी

टूटा कांच, बाल-बाल बचे यात्री

भुवनेश्वर (एजेंसी)। देश की प्रीमियम ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस एक बार फिर पत्थबाजों का निशाना बन गई। पथराव की यह घटना ओडिशा में हुई। असामाजिक तत्वों ने पुरी-राउरकेला वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव किया। चक्रधरपुर रेल मंडल के कलुंगा रेलवे स्टेशन पर असामाजिक तत्वों ने इस घटना को अंजाम दिया। पथराव के चलते ट्रेन के एक बोगी का कांच टूट गया। गनीमत रही कि उस समय वहां कोई यात्री नहीं था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था।
जानकारी के अनुसार, पुरी-राउरकेला वंदे भारत एक्सप्रेस जब रविवार दोपहर करीब 12¬45 बजे कलुंगा रेलवे स्टेशन पार कर रही थी, तभी कुछ असामाजिक तत्वों ने ट्रेन पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। इससे ट्रेन की एक बोगी का शीशा टूट गया। हालांकि, इस घटना में किसी यात्री को चोट नहीं आई। जैसे ही ट्रेन राउरकेला रेलवे स्टेशन पहुंची, वहां मौजूद रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने यात्रियों से घटना की जानकारी ली। इसके बाद विभागीय अधिकारियों ने भी मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। इस घटना के

बाद यात्रियों में डर का माहौल है। जांच के बाद वंदे भारत एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय के अनुसार फिर से पुरी के लिए रवाना हो गई। रेलवे की तरफ से इस मामले पर अभी तक प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई है। इस तरह की घटनाएं न केवल यात्रियों की सुरक्षा के लिए खतरनाक हैं, बल्कि रेलवे संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाती हैं। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

सड़क पर आवारा पशुओं ने रोका दिल्ली सीएम का काफिला

सीएम रेखा गुप्ता आज मेट्रो पिलर्स का निरीक्षण करने निकली थीं

बेंगलुरु (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के काफिले को हैदरपुर फ्लाईओवर पर अचानक रुकना पड़ा। सड़क पर आवारा पशुओं के आने के कारण काफिले की गाड़ियों का पहिया थम गया।
इसी दौरान सीएम रेखा गुप्ता गाड़ी से उतरीं और अधिकारियों को पशुओं को सड़क पर आने से रोकने के लिए उपाय लागू करने के निर्देश दिए।
सीएम रेखा गुप्ता आज मेट्रो पिलर्स का निरीक्षण करने निकली थीं। शालीमार बाग के हैदरपुर फ्लाईओवर पर जैसे ही उनका काफिला पहुंचा तो सामने अचानक से चार से पांच गाय आ गईं। समय रहते चालक ने ब्रेक लगा दिए, जिसके चलते एक बड़ा हादसा टल गया। सीएम का काफिला करीब 15 मिनट तक फ्लाईओवर पर रुका रहा।
बता दें कि रेखा गुप्ता सीएम बनने के

बाद से ही एक्टिव हैं। वह एक-एक कर बड़े फैसले ले रही हैं। उन्होंने मंगलवार को ही विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एक लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। इसमें यमुना की सफाई, महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण, बुनियादी ढांचा विकास, जल तथा सपंर्क सहित 10 क्षेत्रों पर जोर देते हुए राष्ट्रीय राजधानी को आत्मनिर्भर बनाने का खाका पेश किया गया है। वित्त मंत्री का भी कार्यभार संभाल रही गुप्ता ने अपने 138 मिनट के बजट भाषण में भाजपा नीत सरकार के पहले बजट को ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि भ्रष्टाचार और अक्षमता का दौर अब समाप्त हो गया है।
बीजेपी ने दिल्ली में 27 वर्ष के बाद बजट पेश किया। पार्टी ने पिछले महीने हुए विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को हराकर सत्ता में वापसी की थी।

दिल्ली विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान मचा हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान आज खूब हंगामा देखने को मिला। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने पब्लिक टॉयलेट की सफाई पर सवाल पूछा। दरअसल स्पीकर ने जब आतिशी को सवाल के लिए बुलाया तो वह सदन में मौजूद नहीं थीं। लेकिन जब वह सदन में आईं तो उन्होंने कहा कि दिल्ली की सीएम बजट में झुग्गियों के लिए 700 करोड़

की बजट की बात करती हैं। लेकिन झुग्गियों में लोग नारकीय जीवन जीते हैं। वहां के टॉयलेट गंदे हैं। इसी पर दिल्ली विधानसभा में हंगामा शुरू हो गया। इसी मामले पर दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सूद ने आतिशी पर सदन में पलटवार किया। आशीष सूद ने विधानसभा में कहा, आपके मुख्यमंत्री रहते हुए बजट 31 मार्च की रात 11.40 बजे पास हुआ था। ये बताता है कि आप जब सीएम थीं, तब झुग्गी वालों के लिए कितनी गंभीर थीं। उन्होंने कहा, आप मुख्यमंत्री की कल की घोषणा पर राजनीति करना चाहती हैं, आप खिसियाहट व्यक्त करना चाहते हैं तो आप समय पर उपलब्ध क्यों नहीं थे। आपको मौके पर रहना चाहिए था। यही आपकी गंभीरता को दर्शाता है। आपकी चिंता इतनी थी 33 दिन में आपसे बड़ा बजट दिया है हमने।

पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने कालकाजी सीट से भ्रष्ट तरीके से जीता चुनाव?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को आम आदमी पार्टी की नेता और पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी को उस याचिका पर नोटिस जारी किया है, जिसमें हालिया विधानसभा चुनाव के दौरान कथित भ्रष्ट आचरण के आधार

● दिल्ली हाईकोर्ट ने जारी किया नोटिस

पर उनके निर्वाचन को चुनौती दी गई है। जस्टिस ज्योति सिंह ने निर्वाचन आयोग, दिल्ली पुलिस और कालकाजी विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन अधिकारी को भी नोटिस जारी किये। इसी विधानसभा सीट से आतिशी ने चुनाव जीता था। अदालत ने प्रतिवादियों से याचिका पर जवाब

दाखिल करने को कहा तथा सुनवाई की तारीख 30 जुलाई तय की।
चुनाव के सभी रिकॉर्ड सुरक्षित रखने का आदेश
हालांकि, निर्वाचन आयोग के वकील और निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि कानून के अनुसार उन्हें चुनाव याचिका में पक्ष नहीं बनाया जा सकता। अदालत ने कहा कि उन्हें अपने जवाब में अपनी आपत्तियां दर्ज कराने की छूट होगी। इस बीच, अदालत ने निर्वाचन आयोग, निर्वाचन अधिकारी और पुलिस को कालकाजी निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव के सभी रिकॉर्ड सुरक्षित रखने का निर्देश दिया।
दरअसल, कालकाजी के निवासी याचिकाकर्ता कमलजीत सिंह दुग्गल और आयुष राणा ने आतिशी की चुनावी जीत को चुनौती देते हुए दावा किया है कि वह और उनके मतदान एजेंट भ्रष्ट आचरण में लिप्त थे। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 30 जुलाई की तारीख तय की। अधिवक्ता टी.सिंहदेव के माध्यम से दायर याचिका में चुनाव को अमान्य घोषित करने की मांग की गई है।
वोट खरीदने के लिए रिश्वत देने का आरोप
आतिशी ने कालकाजी सीट पर भाजपा उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी को 3,521 मतों से हराया था। ??याचिकाकर्ता कालकाजी क्षेत्र के निवासी हैं। चुनाव के लिए मतदान 5 फरवरी को हुआ था और परिणाम आठ फरवरी को घोषित किए गए थे। याचिका में आरोप लगाया गया है कि मतदान से एक दिन पहले चार फरवरी को आतिशी के करीबी सहयोगियों को निर्वाचन क्षेत्र में पांच लाख रुपये नकदी के साथ पकड़ा गया था और वे सहयोगी आतिशी के पक्ष में मतदाताओं के ÷वोट खरीदने÷ के लिए रिश्वत देने के पूर्व मुख्यमंत्री के निर्देशों पर काम कर रहे थे। आप नेता पर जनप्रतिनिधि अधिनियम की के तहत रिश्वत देने का आरोप लगाया गया है।

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजनाओं से संबंधित बैठक प्रमुख सचिव, डॉ. ई. रमेश कुमार ने ली। प्रमुख योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। आयुक्त, सौरभ कुमार सुमन द्वारा सभी योजनाओं की विस्तृत बिन्दुवार जानकारी प्रदान की गई है। प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता से आय संबंधित सभी बिन्दुओं की जानकारी सहित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति में केन्द्र सरकार से मिलने वाले केन्द्रांश की जानकारी प्रदान की गई। विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजनांतर्गत पिछड़े वर्ग के 50 छात्रों को प्रतिवर्ष उच्च अध्ययन के लिये विभिन्न देशों के विश्वविद्यालयों में बच्चों को उनकी रैंकिंग के आधार पर प्रवेश दिया जाता है, जिसका सम्पूर्ण व्यय विभाग वहन करता है।

बैठक में बताया गया कि सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना अंतर्गत संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा उत्तीर्ण करने पर राशि प्रदान की जाती है। सरदार वल्लभ भाई पटेल निःशुल्क कोचिंग योजना अंतर्गत पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी संभाग स्तर पर करायी जाती है। छात्रावासों से संबंधित मैस सुविधा संचालन की जानकारी भी प्रदान की गई एवं वार्डन के पद पर नियम बनाकर नियुक्ति करने पर चर्चा हुई। विधि से संबंधित प्रकरणों को गंभीरता से लेकर समय-सीमा में पूरा करने एवं जाति संबंधी निर्णय लेने के लिये छानबीन समिति के प्रकरण भी शीघ्र सुनवाई कर लंबित प्रकरण समाप्त करने के निर्देश प्रमुख सचिव द्वारा दिये गये।

बैठक में अपर सचिव श्री अनुराग चौधरी, उप संचालक (वित्त) श्री सुमित कुमार जैन, उप संचालक श्री देवेश मिश्रा सहित विभाग के सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

इंटीग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम संबंधित प्रशिक्षण 27 मार्च को

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री अभिषेक सिंह ने जानकारी दी है कि आयोग द्वारा किये गये नवाचारों तथा इंटीग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम की प्रक्रियाओं से अवगत कराने के लिये 27 मार्च को सुबह 11 बजे से आयोग में प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण में जिलों से एक-एक मास्टर ट्रेनर शामिल होंगे। प्रशिक्षण में जिला श्योपुर, भिण्ड, गुना, अशोक नगर, सागर, दमोह, सिंगरौली, सीधी, जबलपुर, बालाघाट, कटनी, छिन्दवाड़ा, सिवनी, हरदा, बुरहानपुर, खरगौन, खण्डवा, धार, उज्जैन, देवास एवं शहडोल जिले के मास्टर ट्रेनर शामिल होंगे।

राष्ट्रीय न्यादर्श सर्वेक्षण 80वें दौर का राज्य स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भारत सरकार के निर्देशानुसार राज्य में राष्ट्रीय न्यादर्श सर्वेक्षण (एनएसएस) के 80 वें दौर का राज्य स्तरीय प्रशिक्षण आयुक्त, आर्थिक एवं सांख्यिकी के निर्देशन में नरोन्हा प्रशासन अकादमी, भोपाल में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में सभी संभाग एवं जिलों से संयुक्त संचालक, जिला योजना अधिकारी, संबंधित सहायक सांख्यिकी अधिकारी, अन्वेषक एवं खण्ड स्तर अन्वेषक उपस्थित हुए। प्रशासन अकादमी में प्रशिक्षण प्रातः 10 बजे से प्रारंभ हुआ जिसमें संयुक्त संचालक एवं कार्यालय प्रमुख श्री विश्वजीत रायकवार, सहायक संचालक श्री अतुल आनंद अग्रवाल, सहायक सांख्यिकी अधिकारी श्री संजय चुरारिया द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही एनएसओ भारत सरकार के क्षेत्रीय कार्यालय के प्रतिनिधियो के द्वारा भी सर्वे में उपयोग किये जाने वाले सॉफ्टवेयर के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। यह एक सेंपल सर्वे होगा, जो कि मुख्यतः स्वास्थ्य पर आधारित होगा जिसमें परिवार अनुसूची 0.0 एवं स्वास्थ्य संबंधी प्रश्नों पर अनुसूची 25.0 सर्वे में उपयोग की जायेगी।

सृजन से जुड़कर समाज के प्रश्नों के समाधान-कारक नवाचारों के लिए आगे आएं विद्यार्थी : मंत्री परमार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने मंगलवार को मंत्रालय में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित सृजन कार्यक्रम के पोर्टल का शुभारंभ किया। मंत्री श्री परमार ने सृजन कार्यक्रम की नोडल एजेंसी राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को सृजन कार्यक्रम के सफल संचालन एवं इनोवेट एमपी की दृष्टि से सृजन पोर्टल को तैयार करने के लिए शुभकामनाएं दीं। मंत्री श्री परमार ने कहा कि सृजन कार्यक्रम के माध्यम से, नवाचारी शोध एवं अनुसंधान की दृष्टि से विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की भावना जागृत होगी। उच्च शिक्षण एवं तकनीकी शिक्षण संस्थानों के ऐसे विद्यार्थी जो नवाचार का दृष्टिकोण रखते हैं, उन्हें नवाचारों के सृजन के लिए यह मंच तैयार किया गया है। यह मंच पंजीयन करने वाले विद्यार्थियों को नवाचार साझा करने, उसमें आगे बढ़ने एवं उनके नवाचारों के दस्तावेजीकरण के लिए सहायता प्रदान करेगा। विद्यार्थियों को शोध एवं अनुसंधान के साथ नवाचार के दस्तावेजीकरण के लिए भी विश्वविद्यालय सहयोग प्रदान करेगा। मंत्री श्री परमार ने अपील करते हुए कहा कि नवाचार

करने वाले अधिकाधिक विद्यार्थी, इस मंच के माध्यम से जुड़ें और अपने प्रोजेक्ट्स को अपलोड करें। इससे विद्यार्थियों के करियर की राहें और उनका भविष्य संवरेगा। श्री परमार ने कहा कि सृजन कार्यक्रम, शिक्षा के क्षेत्र में भविष्य में मील का पत्थर सिद्ध होगा और प्रदेश में इसके माध्यम से अभूतपूर्व नवाचार होंगे। मंत्री श्री परमार ने कहा कि विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट्स मात्र संस्थान परिसर तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। विद्यार्थियों को, समाज के प्रश्नों के समाधानकारक नवाचारों के लिए सशक्त मंच देने के लिए सृजन कार्यक्रम तैयार किया गया है। विद्यार्थियों को नवाचारों के लिए प्रोत्साहित करने के लिए यह कार्ययोजना तैयार की गई है।

मंत्री श्री परमार के मार्गदर्शन में, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने सृजन कार्यक्रम का सूत्रपात किया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल से संबद्ध इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक एवं उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत सभी महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को वर्तमान में संचालित पाठ्यक्रमों के अंतर्गत विकसित किये गए नवीन प्रोजेक्ट्स को प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान करना है। यह कार्यक्रम उत्कृष्ट प्रोजेक्ट्स को चिन्हित करने एवं उन्हें भविष्य में प्रोटोटाइप के रूप में विकसित करने के लिए पूर्ण सुविधा प्रदान करने का प्रयास है। सृजन कार्यक्रम, स्टार्ट-अप की स्थापना को भी प्रोत्साहित करेगा। सृजन कार्यक्रम का मूल उद्देश्य, तकनीकी एवं उच्च शिक्षण संस्थानों में, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करना है। सृजन कार्यक्रम, विद्यार्थियों को रियल लाइफ प्रॉब्लम्स एवं इमर्जिंग प्रौद्योगिकी बेस्ड प्रोजेक्ट्स पर कार्य को आगे विकसित करने के लिए प्रोत्साहित एवं सहायता प्रदान करेगा। साथ ही इनोवेटिव आइडियाज को स्टार्ट-अप में बदलने की सहायता भी प्रदान करेगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य, तकनीकी एवं उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए एक इकोसिस्टम विकसित करना एवं सहायता प्रदान करना है। यह कार्यक्रम, नवीन प्रोजेक्ट्स के माध्यम से अनुसन्धानोमुखी शिक्षा के अवसरों को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगा।

स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह को बाल चित्रकार ने भेंट किया उनका चित्र

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश की उभरती हुई बाल चित्रकार सुश्री शीतल गुप्ता ने स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह को उनका चित्र सोमवार को उनके भोपाल स्थित निवास पर पहुँचकर भेंट किया। स्कूल शिक्षा मंत्री ने सुश्री शीतल की अद्भुत कला प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि उनकी कला न केवल प्रदेश, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व की बात है।

महज 6 वर्ष की उम्र से चित्रकला में रुचि रखने वाली भोपाल की शीतल अब तक 175 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुकी हैं। उनकी कलाकृतियाँ जीवंतता के लिए जानी जाती हैं। इससे पहले उन्होंने केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह, पूर्व मुख्यमंत्री एवं केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, प्रदेश की पूर्व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सहित कई गणमान्य व्यक्तियों को उनके चित्र भेंट किए हैं। उनकी इस उपलब्धि को हर स्तर पर सराहा गया है।

कला के साथ-साथ शीतल अपनी पढ़ाई में भी हमेशा अव्वल रही हैं। वे अब तक हर कक्षा में टॉपर रही हैं, जिससे उनकी मेहनत और लगन का अंदाजा लगाया जा सकता है। शीतल न केवल एक प्रतिभाशाली चित्रकार हैं, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में भी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से मिसाल कायम कर रही हैं। इस अवसर पर शीतल के पिता श्री नितिन कुमार गुप्ता भी उनके साथ थे। शीतल गुप्ता की यह उपलब्धि अन्य बच्चों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

भोपाल में दाक ग्रहण विनियम-2022 पर उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण और महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्यप्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में पलाश होटल, भोपाल में दत्तक ग्रहण विनियम 2022 पर दो दिवसीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम 26 मार्च को आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम बच्चों के कानूनी और नैतिक रूप से गोद लेने की प्रक्रिया को पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रशिक्षण के पहले दिन जिलों के प्रतिनिधि एस.जे.पी.यू के अधिकारी, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष, जिला बाल संरक्षण इकाई के अधिकारी, विशेषज्ञ दत्तक ग्रहण अभिकरण एवं बाल गृह के अधीक्षक/प्रबंधक शामिल हुए। प्रशिक्षण के दूसरे दिन 26 मार्च को शेष जिलों के प्रतिभागी शामिल होंगे।

महिला एवं बाल विकास मंत्री, श्रीमती निर्मला भूरिया ने वीडियो संदेश के माध्यम से प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने बच्चों के एडॉप्शन से जुड़ी संवेदनाओं को समझने और इस प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम बच्चों के दत्तक ग्रहण से जुड़ी प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे न केवल गोद लेने की प्रक्रिया को सरल और सुरक्षित बनाया जाएगा, बल्कि बच्चों को एक उज्जवल भविष्य भी मिलेगा।

आयुक्त महिला एवं बाल विकास श्रीमती सूफिया फारुकी वली ने कहा कि विभाग दत्तक ग्रहण विनियम-2022 के तहत बच्चों के स्थायी पुनर्वास को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नैतिक और कानूनी तरीके से गोद लेना बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए बेहद जरूरी है। यह न केवल बच्चों को एक सुरक्षित और प्यार भरा घर देता है, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव भी लाता है। पारदर्शिता और कानूनी प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी है।

मध्यम और कमजोर वर्ग के आवासों का निर्माण हाउसिंग बोर्ड की प्राथमिकता- मंत्री विजयवर्गीय

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने मध्यप्रदेश हाऊसिंग बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि बोर्ड समाज के मध्यम और कमजोर वर्ग के आवासों की आवश्यकता को पूरा करने को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि बोर्ड अपने कामों की गुणवत्ता से आम जनता के बीच में अपनी साख को और मजबूत करे। उन्होंने कहा कि बोर्ड अपने प्रत्येक प्रोजेक्ट की गहन समीक्षा करे और इसे नियत टाइम फ्रेम में पूरा किया जाये। मंत्री श्री विजयवर्गीय आज भोपाल में मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल के निर्माण कार्यों की बैठक में समीक्षा कर रहे थे। बैठक में अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री संजय शुक्ला भी मौजूद थे। मंत्री श्री विजयवर्गीय द्वारा अगले 2 माह में बोर्ड की पुनः समीक्षा की जायेगी। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि बोर्ड के कॉमर्शियल परिसर के समय पर पूरा होने पर क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी और युवाओं को रोजगार प्राप्त होगा।

उन्होंने कहा कि बोर्ड की योजनाओं में विभिन्न एजेंसियों के बीच में किसी तरह की देरी होती है, उसे उनके द्वारा दूर करने का ठोस प्रयास किया जायेगा। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि बोर्ड जिन आवासीय और व्यावसायिक परिसरों का विकास करता है, भविष्य में वे अच्छी तरह मेंटेन रहें, इसके लिये मेकेनिजम तैयार किया जाये। उन्होंने कहा कि जिन परिसरों का विकास बोर्ड द्वारा किया जाये, उनका नामकरण महान हस्तियों के नाम पर किया जाये। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर के हुकुमचंद मिल परिसर में बनने वाला व्यावसायिक टॉवर आइकॉनिक हो, इसका ध्यान रखा जाये।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में नागरिकों के फीडबैक अनिवार्य रूप से लें

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 का कार्य लगातार जारी है। इस संबंध में नगरीय निकायों को समय-समय पर निर्देश जारी किये जा रहे हैं। केन्द्रीय शहरी कार्य मंत्रालय स्वच्छता को लेकर नागरिकों से सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म वोट फॉर योर सिटी वेब, वोट फॉर योर सिटी ऐप और स्वच्छता ऐप पर प्रतिक्रिया ले रहा है। यह प्रतिक्रियाएं स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के परिणामों एवं रैंकिंग को प्रभावित करेंगी। नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय ने नगरीय निकायों को इस संबंध में जागरूक करने के लिये कहा है। नगरीय निकायों से अपने शहर में विभिन्न गतिविधियों को करने के लिये कहा गया है।

निर्देशों में कहा गया है कि व्हाटसएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर आकर्षक बैनर, वीडियो और पोस्ट का उपयोग कर फीडबैक माध्यमों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये। नगरीय निकाय के प्रयासों की जानकारी भी नागरिकों को दी जाये। व्हाटसएप ग्रुप पर नगरपालिका और अन्य नागरिक संगठनों के व्हाटसएप ग्रुप पर निकायों के प्रयास के साथ फीडबैक देने के लिये लिंक नागरिकों को दी जाये। सामुदायिक बैठक, सांस्कृतिक और अन्य आयोजन के दौरान नागरिकों को स्वच्छता पर जागरूक किया जाये और उन्हें सकारात्मक फीडबैक के बारे में प्रोत्साहित किया जाये।

मंडी बोर्ड के पेंशनरों को नियमित रूप से हो पेंशन का भुगतान-कृषि मंत्री कंषाना

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि मंडी निधि में उपलब्ध धनराशि से मंडी बोर्ड के पेंशनरों को नियमित रूप से पेंशन भुगतान किया जाए। मंत्री श्री कंषाना किसान भवन में मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड के संचालक मंडल की 143वीं बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

प्रदेश की कृषि उपज मंडियों में संचालित मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाओं में नियुक्त अमले तथा मंडी बोर्ड मुख्यालय के संविदा वाहन चालकों की नियमित पदों में समकक्षता का निर्धारण कर पारिश्रमिक में वृद्धि किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई। सभी महिला कर्मचारियों को सात दिवस के आकस्मिक अवकाश की भी स्वीकृति प्रदान की गई। पिछली बैठक के पालन प्रतिवेदन पर संतुष्टि प्रदान की गई। कृषि उपज मंडी समिति जैसीनगर जिला सागर के प्रांगण में बोर्ड निधि से कृषक संगोष्ठी भवन की स्वीकृति का अनुसमर्थन किया गया। मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड के पुनरीक्षित अनुमान वर्ष 2024 -25 एवं बजट अनुमान 2025-26 पर भी विचार विमर्श किया गया।

प्रमुख सचिव कृषि श्री एम सेल्वेंद्रम, प्रबंध संचालक सह-आयुक्त मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड श्री कुमार पुरुषोत्तम, संयुक्त आयुक्त सहकारी संस्थाएं श्री अजय मिश्र, सदस्य मध्य प्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड श्री अरुण सोनी उपस्थित थे।

सिविल सप्लाई कार्पोरेशन की संगठनात्मक संरचना में सुधार का प्रस्ताव तैयार करें

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन की संगठनात्मक संरचना (ओ.एस.) में सुधार के लिये प्रस्ताव तैयार करें। इसके लिये कंसल्टेंट की सेवाएँ भी ली जा सकती हैं। खाद्य नागरिक आपूर्ति उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने यह निर्देश कार्पोरेशन की संचालक मण्डल की बैठक में दिये। उन्होंने कहा कि उपार्जन कार्य में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये अधिकारी उपार्जन केन्द्रों का सतत् निरीक्षण करें। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि वे स्वयं भी उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण करेंगे। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि कार्पोरेशन में रिक्त पदों की भर्ती जल्द करें। उन्होंने कहा कि आउटसोर्स में एक्सपर्ट व्यक्तियों को ही नियुक्त करें। उन्होंने निर्देश दिये कि कार्पोरेशन के लंबित लेखा संबंधी कार्य पूरे कराने के लिये संविदा में लेखापालों की नियुक्ति करें। बैठक में उपार्जन कार्य में लगे

कर्मचारियों को वर्ष 2024-25 की प्रोत्साहन राशि के रूप में एक माह का वेतन देने का निर्णय लिया गया। वर्ष 2017-18 और वर्ष 2018-19 की लंबित प्रोत्साहन राशि के संबंध में भी चर्चा हुई। वरिष्ठ सहायकों के वेतन में 10 प्रतिशत की वृद्धि का निर्णय लिया गया। मंत्री श्री राजपूत ने कहा ?कि संचालक मण्डल की बैठक में लिये गये निर्णयों का क्रियान्वयन समय-सीमा में करें।

अपर मुख्य सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने कार्पोरेशन द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी। बैठक में आयुक्त खाद्य श्री कर्मवीर शर्मा, एमडी सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन श्री अनुराग वर्मा सहित संचालक मण्डल के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम बना पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लिये नोडल एजेंसी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम को राज्य में रूफटॉप सोलर (आरटीएस) अपनाने को बढ़ावा देने के लिए नोडल एजेंसी नामित किया गया है। यह एजेंसी राज्य की बिजली वितरण कंपनियों - म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, जबलपुर, म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, भोपाल, और म.प्र.पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, इंदौर की ओर से योजना के कार्यान्वयन की निगरानी करेगी। नोडल एजेंसी के रूप में मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम को राज्य में रूफटॉप सोलर कार्यक्रम और योजना का क्रियानवयन करने, सरकार द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के तहत विक्रेताओं का पंजीकरण और प्रबंधन, उपभोक्ताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए राज्यव्यापी जागरूकता और प्रचार योजना का क्रियान्वयन, डिस्कॉम, विक्रेताओं और उपभोक्ताओं सहित

हितधारकों के लिए क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने, और केन्द्र सरकार, राज्य सरकार और डिस्कॉम के बीच समन्वय सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है। इससे पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजनाका सुचारू रूप से क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सकेगा। एमपी ऊर्जा विकास निगम को केन्द्रीय नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुरूप योजना को समयबद्ध और सुचारू रूप से लागू करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा। सभी संबंधित विभागों, एजेंसियों और डिस्कॉम को एमपी ऊर्जा विकास निगम को पूर्ण सहयोग प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं।

ग्रामीणजन विद्युत से सुरक्षा के लिये सावधानियाँ जरूर बरतें

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने ग्रामीणजनों को आगाह किया है कि वे गर्मी के दौरान विद्युत से सुरक्षा के लिये सावधानियां जरूर बरतें। अक्सर देखा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में असावधानी विद्युत से कई बार अप्रिय घटनाएं घट जाती हैं। यह दुर्घटनाएं कई बार जान-माल का नुकसान भी कर देती हैं। इनसे बचने के लिए ग्रामीणजनों से सावधानी बरतने की अपील करते हुए कंपनी ने कहा है कि कभी भी विद्युत लाइनों, उपकरणों एवं खंभों से छेड़खानी न करें। ऐसा करना विद्युत अधिनियम 2003 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध है।

विद्युत लाइनों के पास असावधानी या छेड़खानी से बड़े-बड़े खतरे पैदा हो सकते हैं। इसलिए ऐसी लाइनें जिनमें विद्युत शक्ति प्रवाहित होती है उन्हें आँधी तूफान या अन्य किसी कारण से टूटने वाले तारों को अकस्मात् छूने का प्रयास न करें। ऐसी स्थिति में जरूरी है कि लाइन टूटने की सूचना तत्काल निकटस्थ बिजली कंपनी के अधिकारी को अथवा विद्युत कर्मचारी को दें। किसानों को सलाह है कि वे खेतों खलिहानों में ऊँची-ऊंची घास की गंजी, कटी फसल की ढेरियां, झोपड़ी, मकान अथवा तंबू आदि विद्युत लाइनों के नीचे अथवा अत्यंत समीप न बनायें। साथ ही विद्युत लाइनों के नीचे से अनाज, भूसे आदि की ऊँची भरी हुई गाड़ियां न निकालें।

ओवरब्रिज की मंजूरी के बाद भी बनाया जा रहा अंडरब्रिज, ग्रामीणों ने किया विरोध

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले में विकास कार्यों को लेकर अजीब स्थिति बन गई है। भदौरा में जहां ओवरब्रिज की स्वीकृति मिल चुकी है, वहां अनावश्यक रूप से अंडरब्रिज का निर्माण भी शुरू कर दिया गया है। दूसरी ओर करीब 2000 की आबादी वाले शंकरपुर गांव में अंडरब्रिज की अत्यंत आवश्यकता होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। शंकरपुर के निवासियों को रोजाना रेलवे ट्रैक पार करने के लिए जान जोखिम में डालनी पड़ रही है। बच्चों और बुजुर्गों की स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। विधानसभा चुनाव के दौरान ग्रामीणों ने मतदान बहिष्कार तक किया था। अधिकारियों ने आश्वासन दिया, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि रेल रोको आंदोलन के बाद भदौरा में अंडरब्रिज की मंजूरी मिली थी। बाद में वहां ओवरब्रिज की मांग को लेकर आंदोलन हुआ और उसकी भी स्वीकृति मिल गई। अब राजनीतिक दबाव में दोनों का निर्माण होने लगा है। स्थानीय जनप्रतिनिधि कृष्ण किशोर शुक्ला, सुभाष चंद्र गुप्ता और श्रीकांत शुक्ला इस मुद्दे को प्रमुखता से उठा रहे हैं। शंकरपुर के लोगों ने एक बार फिर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि जब भदौरा में ओवरब्रिज बन रहा है, तो वहां अंडरब्रिज की क्या आवश्यकता है? वहीं शंकरपुर जैसे जरूरतमंद गांव को अंडरब्रिज से वंचित रखा जा रहा है। जिस पर एसडीएम कुसमी प्रिया पाठक ने कहा कि दोनों गांवों के ग्रामीण निर्माण स्थल को लेकर चर्चा कर रहे हैं। हालांकि, जहां पहले अंडरब्रिज स्वीकृत था, वहीं अंडरब्रिज बनाया जा रहा है। प्रशासन की एक टीम भेजी गई है, जो पूरे मामले की जांच कर जल्द समाधान निकालेगी इसके संबंध मे रेलवे विभाग से भी बातचीत चल रही है।

जनता की मांग जरूरत वाली जगह बने ब्रिज : ग्रामीण रामबाबू सिंह की मांग स्पष्ट है जहां वास्तव में जरूरत है, वहीं ब्रिज बनाया जाए। शंकरपुर में अंडरब्रिज बनने से लोगों को सड़क और रेलवे ट्रैक पार करने की सुविधा मिलेगी। अब देखना होगा कि प्रशासन कब तक इस समस्या का समाधान निकालता है, या फिर ग्रामीणों को अपना विरोध और तेज करना पड़ेगा।

सीधी पुलिस ने गुमे हुये 175 मोबाइलों को मालिकों को सौंपा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी पुलिस ने 175 गुम हुए मोबाइल फोन बुधवार शाम उनके असली मालिकों को सौंपे। पुलिस ने रामपुर नैकिन और चुरहट सहित जिले के विभिन्न थानों में दर्ज मोबाइल गुमशुदगी के मामलों पर अभियान चलाया। साइबर टीम और तकनीकी सहायता से पुलिस ने चोरी और गुम हुए मोबाइलों को सूरत, गुजरात, महाराष्ट्र सहित अन्य स्थानों से ट्रेस किया। मोबाइल वापस पाने वाले लोगों ने सीधी पुलिस का आभार जताया। कई लोगों ने कहा कि वे अपना फोन वापस पाने की उम्मीद छोड़ चुके थे।एसपी ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी पुलिस साइबर अपराधों और मोबाइल गुमशुदगी के मामलों पर इसी तत्परता से कार्य करेगी। इस सफल अभियान ने साबित किया कि तकनीक और पुलिस की सक्रियता से अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है।

अनूपपुर में जनपद अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव फेल

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। अनूपपुर के जनपद पंचायत बदरा में एक दिलचस्प घटनाक्रम सामने आया है। जनपद अध्यक्ष धनमती सिंह के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव विफल हो गया। बुधवार को होने वाले मतदान में कोई भी सदस्य उपस्थित नहीं हुआ। प्रस्ताव कांग्रेस के 7 सदस्यों ने लगाया था। कुल 17 सदस्यों में से मतदान के लिए किसी ने भी दिलचस्पी नहीं दिखाई। यहां तक कि प्रस्ताव के समर्थक भी नदारद रहे। बताया जा रहा है कि भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने इस मामले को सुलझाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने जिला महामंत्री अखिलेश द्विवेदी और मंडल अध्यक्ष मुकेश पटेल की मदद से जनपद सदस्यों के बीच मनभेद दूर किया। प्रस्ताव विफल होने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। जिला अध्यक्ष ने सभी से संगठन की नीतियों का पालन करने और आपसी तालमेल बनाए रखने की अपील की। उन्होंने अविश्वास प्रस्ताव को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। जनपद अध्यक्ष धनमती

10 दिन में कार्रवाई न होने पर करेंगे प्रदर्शन : बसपा जिलाध्यक्ष

छतरपुर। छतरपुर में बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ता मेला ग्राउंड से रैली निकालकर एसपी कार्यालय तक नारेबाजी करते हुए पहुंचे। बुधवार को उन्होंने दो अलग-अलग मामलों में त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

बसपा जिला अध्यक्ष डीडी अहिरवार ने बताया कि पिछले एक महीने में दलित समाज के खिलाफ कई घटनाएं हुई हैं। 10 दिन में कार्रवाई न हुई तो धरना-प्रदर्शन करेंगे। एसपी अगम जैन ने मामले की जांच के बाद कार्रवाई करने की बात की। पहला मामला रू बेड़ी गांव का है, जहां 22 मार्च को 13 वर्षीय अंशु अहिरवार किराना सामान खरीदने राम शुक्ला की दुकान गया था।

शहडोल में टायर दुकान से 75 हजार के ट्रक टायर चोरी, पुलिस चौकी से कुछ दूरी पर हुई वारदात

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। बुढ़ार थाना क्षेत्र में अमलाई चौक के पास स्थित एक टायर दुकान से चोर तीन ट्रक टायर चुरा ले गए। चोरी किए गए टायरों की कीमत 75 हजार रुपए से अधिक है।

दुकान के मालिक रुस्तम अंसारी की शिकायत के अनुसार, उनकी दुकान शहडोल मार्ग पर स्थित है। यहां ट्रक और अन्य बड़े वाहनों के टायर बेचे जाते हैं। रात के समय अज्ञात चोरों ने दुकान से तीन ट्रक टायर चुरा लिए। घटना की गंभीरता इस बात से समझी जा सकती है कि चोरी का स्थान अमलाई चौक से मात्र कुछ कदम की दूरी पर है। इस जगह के आसपास कई बैंक और एटीएम हैं। यह पुलिस का मुख्य चौकी पॉइंट भी है। इतने भारी और बड़े टायरों की चोरी ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि इतने भारी टायर ले जाने के लिए चोरों ने किसी चार पहिया वाहन का इस्तेमाल किया होगा। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से मामले की जांच की जा सकती है। थाना प्रभारी संजय जायसवाल ने बताया कि शिकायत के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कृत्रिम अंग वितरण कार्यक्रम 29 मार्च से

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अपर कलेक्टर अंशुमन राज ने जानकारी देकर बताया है कि आईसी की सीएसआर योजना अंतर्गत चिन्हांकित दिव्यांगजनो को कृत्रिम अंग सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम एलिम्को जबलपुर की टीम द्वारा जिले की सभी जनपद पंचायतों में 29 से 31 मार्च 2025 तक किया जाना है। यह कार्यक्र म संबंधित क्षेत्र के एसडीएम के निर्देशन में आयोजित होगा। कार्यक्र म के नोडल अधिकारी संबंधित जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारी सामाजिक सुरक्षा अधिकारी होंगे। अपर कलेक्टर ने बताया कि जनपद पंचायत सीधी के लिए दिनांक 31 मार्च 2025 को सुबह 11 बजे जिला मुख्यालय सीधी में अटल आडिटोरियम भवन सीधी में चिन्हांकित दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग सहायक उपकरण वितरण कार्यक्र म एलिम्कों जबलपुर की टीम द्वारा आयोजित किया गया है। इस कार्यक्र म के नोडल अधिकारी अशोक तिवारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सीधी, सहायक नोडल अधिकारी सूरज सिंह सा.सु. अधिकारी एवं नोडल अधिकारी के सहयोग हेतु चन्द्र प्रताप तिवारी लेखापाल सामाजिक न्याय रहेंगे।

छतरपुर नपा का बजट, 370 करोड़ आय अनुमानितय और छह करोड़ का मुनाफा

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर नगर पालिका ने बुधवार को 2025-26 का बजट पेश करते हुए 370 करोड़ रुपए की आय का अनुमान लगाया। इनमें से 363 करोड़ रुपए विकास कार्यों में खर्च करने की बात कही है। बताया गया कि नगर पालिका को इस वर्ष 6 करोड़ रुपए का मुनाफा होगा।

नगर पालिका सीएमओ माधुरी शर्मा ने बताया कि विकास कार्यों में सड़क-नालियों का निर्माण और सौंदर्यीकरण शामिल है। डिवाइडर, स्ट्रीट लाइट और सड़कों का चौड़ीकरण भी किया जाएगा। महिलाओं के लिए स्किल कॉर्नर बनाए जाएंगे। बच्चों के लिए पार्कों में झूले और ओपन जिम की सुविधा दी जाएगी। सबसे बड़ी योजना 100 करोड़ की लागत से नए आईएसबीटी बस स्टैंड का निर्माण है। प्रस्ताव पास होते ही इसका निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। बजट पेश करने के दौरान नगरपालिका अध्यक्ष ज्योति चौरसिया, विधायक ललिता यादव और 40 वार्डों के पार्षद मौजूद रहे।

ओलंपियाड के विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर में जिला पंचायत सभागार में जिला स्तरीय ओलंपियाड प्रतियोगिता 2024-25 के विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में जिला और राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कक्षा दूसरी के सानू सिंह, आकाश यादव, आयांशी माझी, उषा नापित, अनीश यादव, काम्या, सरस्वती सिंह, रचित, रिया, अंशिका, लक्ष्मी सिंह, कीर्ति, अर्चिता मिश्रा, अंशु, आदित्य पांडे, शिवम प्रजापति, नवनीत सिंह, सूरज चौधरी और संध्या सिंह को सम्मानित किया।

स्टूडेंट्स को मिले प्रमाण पत्र: कलेक्टर हर्षल पंचोली, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा और जिला शिक्षा केंद्र के परियोजना समन्वयक आशुतोष कुशवाहा ने विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र और प्रतीक चिन्ह प्रदान किए। छात्र-छात्राओं के विषय शिक्षकों को भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया।

कलेक्टर ने स्टूडेंट्स मदद का भरोसा दिलाया: कलेक्टर ने कहा कि राज्य शासन द्वारा आयोजित ओलंपियाड प्रतियोगिता बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने का सार्थक प्रयास है। बच्चों के भविष्य को संवारने में अभिभावक और शिक्षक की अहम भूमिका होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को आश्वस्त किया कि शिक्षा के क्षेत्र में किसी भी तरह की समस्या होने पर जिला प्रशासन उनकी मदद करेगा

मन प्रबंधन द्वारा उत्कृष्ट प्रशासन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के द्वारा आध्यत्मिक सशक्तिकरण द्वारा स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज थीम अंतर्गत मन प्रबंधन द्वारा उत्कृष्ट प्रशासन हेतु कार्यक्र म का आयोजन किया गया। ब्रह्माकुमारी भोपाल जोन एवं प्रशासक सेवा प्रभाग से प्रमुख वक्ता के रूप में बी के डॉ रीना दीदी ने कहा कि प्रशासन समाज की रीढ़ है, अतरू इसमें कार्य करने वाले अधिकारी व कर्मचारी का तनावमुक्त होकर अपना कर्तव्य निर्वहन करना समाज के हित में है। उन्होंने व्याख्यान कार्यक्र म में बताया कि यह कार्यक्रम पूरे प्रदेश में मध्यप्रदेश शासन के साथ मिलकर आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्र म में प्रदेश के शासकीय विभागों में कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों को तनाव मुक्ति व जीवन प्रबंधन के बारे में जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इस भागदौड़ से भरी जिंदगी में हम अपने मूल स्वभाव से भटक रहे हैं। अपने कार्य क्षेत्र और व्यक्तिगत जीवन मे समन्वय बनाकर रखना अत्यंत आवश्यक है। जीवन मे सुख शांति के लिए अध्यात्म आवश्यक है। अपने विचारों, भावनाओं और कार्यो पर नियंत्रण रखें। अपने भावों व विचारों को समझे एवं तनाव व चिंता से अपने को दूर रखें। अपने व्यवहार को सकारात्मक तरीके से निर्देशित करें।

कार्यशाला में उपखण्ड अधिकारी नीलेश शर्मा द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्यों एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्र म में बी के रेखा दीदी वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका एवं मुख्य संचलिका सीधी जिले स्थित ब्रह्माकुमारीज सेवा केंद्र, बी के अर्चना दीदी राजयोग शिक्षिका, बी के ऋचा दीदी राजयोग शिक्षिका, बीके राम भाई, बी के राहुल भाई द्वारा विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तनावमुक्त होकर सेवा करने की जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान जिला स्तरीय विभागीय अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिक्षा व्यवस्था तथा जल संरक्षण में जन भागीदारी करें सुनिश्चित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कमिश्नर बीएस जामोद ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से शासन की उच्च प्राथमिकता की योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा संभागीय अधिकारी शामिल रहे। कमिश्नर ने कहा कि नया शिक्षा सत्र एक अप्रैल से शुरू हो रहा है। सभी स्कूलों में एक अप्रैल को प्रवेशोत्सव मनाकर शाला जाने योग्य सभी बच्चों का शाला में प्रवेश कराएं। स्कूल चलें हम अभियान के तहत शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए जन सहयोग प्राप्त करें। शालाओं में पाठ्य पुस्तक का शत-प्रतिशत वितरण 31 मार्च तक कराएं। सभी जिलों में 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया गया है। इसमें अमृत सरोवर निर्माण, खेत तालाब निर्माण, पुरानी जल संरचनाओं के सुधार तथा जल संरक्षण के अन्य कार्य कराएं। इसकी तीन माह की कार्ययोजना बनाकर इसमें शामिल कार्यों की तकनीकी और प्रशासकीय स्वीकृति तत्काल जारी करें। शिक्षा व्यवस्था में सुधार तथा जल संरक्षण के कार्यों में जन भागीदारी सुनिश्चित करें।

कमिश्नर ने कहा कि गेंहू उपार्जन के लिए सभी खरीदी केन्द्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं करें। पंजीकृत किसानों का दो दिवस में शत-प्रतिशत सत्यापन कराएं। गेंहू उपार्जन के लिए स्लॉट बुक करने की सुविधा तत्काल शुरू करें। खाद्य सुरक्षा योजना के तहत उचित मूल्य दुकानों को समय पर खाद्यान्न का आवंटन जारी करके खाद्यान्न की आपूर्ति करें। आवंटित खाद्यान्न का 30 मार्च तक शत-प्रतिशत वितरण कराएं। राशन कार्डधारियों के ई केवाईसी अपडेशन की प्रगति संतोषजनक नहीं है। सभी जिले 31 मार्च तक शत-प्रतिशत ई केवाईसी सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने राजस्व कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज दो साल से अधिक के सभी राजस्व प्रकरण प्राथमिकता से निराकृत करें। सीमांकन, बंटवारा तथा नामांतरण राजस्व अधिकारियों का मूल कार्य है। इस पर विशेष ध्यान दें। नामांतरण और बंटवारा के प्रकरण प्राथमिकता से निराकृत करें। साइबर तहसील राजस्व प्रकरणों के तत्काल निराकरण के लिए है। इसमें पटवारी प्रतिवेदन के लिए 10 दिन की समय सीमा है। इसका पालन न करने वाले पटवारियों पर कार्यवाही करें।

कमिश्नर ने कहा कि सभी कलेक्टर शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था की सतत निगरानी करें। अभियान चलाकर खराब हैण्डपंपों का सुधार कराएं। आवश्यक होने पर सिंगल फेज मोटर हैण्डपंप में लगाकर पानी की आपूर्ति कराएं। महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त बैठक आयोजित कर कुपोषण पर नियंत्रण के प्रयासों की समीक्षा करें। कम पोषित बच्चों को औद्योगिक संस्थानों, समाजसेवियों एवं आमजनता के सहयोग से अतिरिक्त पोषण आहार वितरित कराएं। इसी तरह क्षय नियंत्रण अभियान के तहत चिन्हित क्षय रोगियों को निक्षय मित्र बनाकर 6 माह के लिए फूड बास्केट का वितरण कराएं। सिकल सेल एनीमिया के चिन्हांकन के लिए लगातार जाँच शिविर आयोजित करें।

वीडियो कांफ्रेंसिंग में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज ने जिले अंतर्गत स्कूल चले अभियान तथा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत किए जा रहे नवाचारों की जानकारी प्रदान की। वीडियो कांफ्रेंसिंग में उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, चुरहट शैलेश द्विवेदी, कुसमी प्रिया पाठक सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सरनेम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि, मैं निवेदिता मिश्रा पति श्री राधाकृष्ण मिश्रा निवासी ग्राम उधौपुरवा पो. पाड़र तहसील मऊगंज जिला रीवा म.प्र. आधार नं. 576013165502 हूं। विवाह से पूर्व मेरा सरनेम निवेदिता चतुर्वेदी था। श्री राधाकृष्ण मिश्रा से विवाह के पश्चात मेरा सरनेम निवेदिता मिश्रा हो गया है। जिसका शपथ पत्र मैं दे चुकी हैं। अत: मुझे अब निवेदिता मिश्रा ने नाम से जाना जाये एवं मेरे सभी दस्तावेजों में मेरा नाम निवेदिता मिश्रा लिखा व पढ़ा जाये।

विचार

सुनीता विलियम्स–साहस से छुआ आसमान

अगर देखना चाहते हो मेरे हौसलों की उड़ान तो आसमान से कह दो कि और ऊँचा हो जाए। ये पंक्तियाँ निश्चित ही ऐसा आभास कराती हैं कि यह असंभव जैसी बात है। क्योंकि आसमान में उड़ने वाली बात किसी ऐसे सपने जैसी ही लगती है, जो पूरा हो ही नहीं सकता। लेकिन व्यक्ति के पास साहस और धैर्य है तो वह असंभव लगने वाले लक्ष्य को भी प्राप्त कर सकता है। भारतीय मूल की बेटी सुनीता विलियम्स ने ऐसा ही एक कीर्तिमान करके दिखाया है। धरती पर रहने वाली सुनीता ने अपने साहस और धैर्य से आसमान को छूने को साहसी कार्य किया है। यह एक ऐसा कीर्तिमान है जो भविष्य के लिए एक मील का पत्थर है। जो अंतरिक्ष विज्ञान के लिए एक दिशा बोध बनेगी। आज अंतरिक्ष विज्ञान जगत के लिए सुनीता विलियम्स एक ऐसा नाम है, जिसके साथ विज्ञान को देने के लिए बहुत कुछ है। जिनकी गाथा कहते कहते लोगों के मुंह थक जाएंगे, पर गाथा ख़त्म नहीं होगी। सुनीता विलियम्स, बुच विलमोर सहित चार अंतरिक्ष यात्री जब धरती पर लौटे तो अमेरिका में खुशी का वातावरण था, तो भारत में भी असीमित उल्लास था। सुनीता विलियम्स भारतीय मूल की हैं, इसलिए यह पूरे विश्वास के साथ कहा जा सकता है कि उन्होंने भारत का भी मान बढ़ाया है। सुनीता विलियम्स केवल नौ दिन के लिए अंतरिक्ष की सैर पर गई थीं, लेकिन यह क्या मालूम था कि यह नौ दिन की यात्रा नौ माह और चौदह दिन की हो जाएगी। जाहिर है यात्रा सरल नहीं थी। क्योंकि अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण का अभाव रहता है। हालांकि सुनीता विलियम्स की यह तीसरी अंतरिक्ष यात्रा थी। हम जानते हैं धरती से वायुमंडल की परिधि समाप्त होने के बाद अंतरिक्ष की दुनिया प्रारम्भ होती है। अंतरिक्ष के बारे में कहते हैं कि मानव आकृति अधर में ही लटकी रहती है। अगर कोई यात्री अंतरिक्ष यान में भी गया है, तो भी उसे आधार नहीं मिलता। ऐसा लगता है जैसे वजनहीन हो गए हैं। अंतरिक्ष में चल फिर नहीं सकते। बस तैरते से रहते हैं। ऐसी स्थिति में अंतरिक्ष में जाना निश्चित ही अत्यंत दुष्कर कार्य है। भारतीय मूल की बेटी सुनीता विलियम्स और उनके साथ गए बुच विलमोर ने जिस साहस का परिचय दिया, वह वास्तव में काबिले तारीफ़ है। लेकिन एक बात यह भी है कि अंतरिक्ष में जाना किसी चुनौती से कम नहीं है। वहां का जीवन पृथ्वी से बहुत भिन्न है। अंतरिक्ष में पहुँचने के बाद चारों अंतरिक्ष यात्रियों का यान ज़ब भटक गया था। तब उनके मन में भी कई तरह के सवाल उठे होंगे, क्योंकि ऐसी स्थिति में यह पता नहीं होता कि वे धरती पर लौटेंगे भी या नहीं। या अंतरिक्ष में कब तक यूँ ही घूमते रहेंगे, इसका भी पता नहीं, लेकिन एक जिजीविषा थी, जो उन सबको जीने का उल्लास दे रही थी। कहते हैं कि जिसके मन में जीने का उत्साह हो तो समस्याएं सरल होती चली जाती हैं।

कांग्रेस का संविधान के नाम पर दोहरा रवैया दुर्भाग्यपूर्ण

कांग्रेस एक बार फिर संविधान को लेकर विवादों से घिर गयी है। संविधान के संबंध में कांग्रेस का दोहरा रवैया एवं चरित्र एक बार फिर देश के सामने आया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी असर हाथ में संविधान की प्रति लेकर भाजपा पर इसे बदलने का आरोप लगाते रहे हैं। लोकसभा चुनाव के समय अपनी हर सभा में इस आरोप को दोहराते रहे कि अगर भाजपा फिर से साा में आई तो संविधान बदल कर आरक्षण खत्म कर देगी, इसका भाजपा को नुकसान भी उठाना पड़ा है, लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि भाजपा पर संविधान बदलने का आरोप लगाने वाली कांग्रेस आज खुद संविधान बदलने की बात कर रही हैं। दरअसल, कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार ओबीसी कोटा के तहत पिछड़े मुस्लिमों को आरक्षण देने जा रही है, सार्वजनिक निर्माण अनुबंधों में मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण के संदर्भ में जब उप- मुयमंत्री डी के शिवकुमार को यह याद दिलाया गया कि संविधान के तहत मजहब के आधार पर आरक्षण देना मुमकिन नहीं है, तब उन्होंने इशारा किया कि आरक्षण देने के लिए जरूरी बदलाव किए जाएंगे।

शिवकुमार के इस बयान के बाद कर्नाटक से लेकर दिल्ली तक फिर संविधान बचाने का सियासी अभियान हावी हो गया है। इस बार भाजपा आक्रामक है और उसने फिलहाल इसे एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना दिया है। इस वर्ष बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव का यह अहम मुद्दा बन जाये तो कोई आश्चर्य नहीं है।

मुस्लिम तुष्टिकरण के लिये कांग्रेस सरकारें अपने-अपने राज्यों में अतिश्योक्तिपूर्ण घोषणाएं एवं योजनाएं लागू करती रही हैं, कर्नाटक में भी वहां के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने सरकार का बजट पेश करते हुए मुस्लिमों के लिए कई घोषणाएं की। सीएम ने ऐलान किया कि सार्वजनिक निर्माण अनुबंधों में से 4 प्रतिशत अब श्रेणी-प्प् बी के तहत मुसलमानों के लिए आरक्षित होंगे। सरकार ने कहा कि मुस्लिम लड़कियों के लिए 15 महिला कॉलेज खोले जाएंगे। इसका निर्माण वक्फ बोर्ड की ही जमीन पर किया जाएगा, लेकिन सरकार इस पर पैसा खर्च करेगी। मौलवियों को 6000 मासिक भत्ता देने की भी व्यवस्था इस बजट में की गई है। कर्नाटक सरकार के बजट में दलितों और पिछड़ों के कल्याण के लिए समुचित बजट आवंटित नहीं हुआ लेकिन मुस्लिम तुष्टिकरण के चलते मुस्लिमों के लिये लुभावना बजट आवंटित किया गया है। जबकि सरकारों का काम किसी धर्म एवं समुदाय विशेष का तुष्टिकरण न होकर सभी समुदायों का पुष्टीकरण होना चाहिए। जब संविधान में धर्म आधारित आरक्षण का निषेध किया गया है तो फिर जानबूझकर कर्नाटक में कांग्रेस सरकार द्वारा इसे सूचीबद्ध करके विधि सम्मत क्यों बनाया जा रहा है?

दरअसल, भाजपा और कांग्रेस, दोनों देश की प्रमुख पार्टियों को यह एहसास हो चला है कि संविधान इस देश में बहुत संवेदनशील विषय है और इस पर लोग कतई समझौता नहीं करेंगे। संविधान केवल न्यायिक या वैधानिक दस्तावेज नहीं है, बल्कि वह भारत की जनता की आशाओं एवं आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है। इस अर्थ में यह देश के जन-जन के मन का दस्तावेज है। संविधान भारत में सभी नागरिकों के लिए दिग्दर्शक तत्व है। इसलिए, प्रश्न यह उठता है कि जब संविधान इतना स्पष्ट है तो क्या संविधान की मूल भावना पर केवल राजनीतिक स्वार्थ के लिए आघात करना स्वस्थ लोकतंत्र का लक्षण है? दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस पवित्र ग्रंथ पर भी विपक्षी दल एवं कांग्रेस अत्यंत निकृष्ट राजनीति करती जा रही है। जो कांग्रेस शासन में रहते हुए कभी संविधान का सम्मान नहीं कर सकी, वह आज विपक्ष में बैठकर यह भ्रम फैलाने में लगी है कि मोदी सरकार संविधान को खत्म कर देगी। सच तो यह है कि कांग्रेस जैसे दल आज अपने मूल राजनीतिक विचार को खो बैठे हैं। कांग्रेस अपने गांधीवादी विचार और समाजवादी पार्टी जैसे दल समाजवाद और राम मनोहर लोहिया के मूलभूत विचारों को भूल चुके हैं। संविधान को आधार बनाकर विपक्षी दल जनता को विभाजित करने, मुस्लिम तुष्टिकरण एवं राजनीतिक स्वार्थ की रोटियां सेंकने बाज नहीं आ रहे हैं। आश्चर्य नहीं, कांग्रेस ने संविधान को लेकर जो हथियार चलाया था, वही हथियार कर्नाटक में स्वयं कांग्रेस के विरुद्ध चला गया है। अब इससे होने वाले नुकसान का भान होते ही कांग्रेस तत्काल बचाव में लग गई। वैसे, शिवकुमार के स्पष्टीकरण के बावजूद भाजपा इस मुद्दे पर निशाना साध रही है, तो संकेत साफ है, वह सियासत का मौका जाने नहीं देना चाहेगी। वह संविधान बदलने और न बदलने पर फिर से गर्म हुई राजनीति को ठंडा नहीं होने देगी। बीते लोकसभा चुनाव में जहां भाजपा निशाने पर थी, वहीं इस बार कांग्रेस निशाने पर आ गई है। लोकसभा-राज्यसभा में एवं इस वर्ष बिहार में होने वाले चुनावों में भाजपा कांग्रेस पर आक्रामक रहेगी। अब तो तीर कमान से निकल चुका है, भले ही अब कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री शिवकुमार सफाई देने में लगे हैं कि उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया और वह संविधान में बदलाव का प्रस्ताव कभी नहीं रखेंगे। स्पष्ट है कि हमारा संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण का पक्षधर नहीं है। डॉ. भीमराव आंबेडकर भी ऐसे आरक्षण के हिमायती नहीं थे। संविधान सभा में एकमत के साथ यह तय हुआ था कि धर्म के आधार पर कोई आरक्षण नहीं दिया जाएगा। अब अगर ऐसे आरक्षण की जरूरत पड़ने लगी है, या कांग्रेस मुसलमानों के वोट बैंक को अपने पक्ष में करने के लिये आरक्षण का हथियार चलाती है तो संविधान में संशोधन तो करना ही होगा। अपने आजाद देश में जरूरतमंदों को आरक्षण देने के लिए करीब 12 बार संविधान में संशोधन किए गए है और मुस्लिमों को महज मजहबी बुनियाद पर आरक्षण देने के लिए भी ऐसी जरूरत पड़ेगी।

गांधी परिवार के अत्यंत करीबी कर्नाटक के डिप्टी सीएम के बयान को सुनकर लोग हैरत में हैं। लोग संविधान के खिलाफ धर्म के आधार पर आरक्षण देने की कांग्रेस की कोशिश का विरोध कर रहे हैं। धर्म के आधार पर मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक में संविधान की धज्जियां उड़ा दी है।' कांग्रेस मुस्लिम तुष्टिकरण के लिये देश को दांव पर लगाती रही है। एक बार फिर उसकी इस कोशिश से उसका असली चेहरा देश के सामने आया है। कांग्रेस भारत के संविधान के साथ खिलवाड़ कर रही हैं, मुस्लिम आरक्षण को संविधान में जगह देकर संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर के खिलाफत की जा रही है। मुस्लिमों को आरक्षण असंवैधानिक हैं। कांग्रेस बार-बार मुस्लिम आरक्षण की वकालत कर संविधान की मूल भावना को चुनौती दे रही है। मुस्लिम वोटबैंक के लिए ऐसा किया जाना संविधान की मूल भावना से खिलवाड है। राहुल गांधी एवं कांग्रेस पार्टी का रवैया आरक्षण को लेकर समय-समय पर बदलता रहा है। कभी उसने संविधान संशोधन की बात की, तो कभी आरक्षण का विरोध किया, तो कभी धर्म के आधार पर आरक्षण देने के प्रयास भी किए। आपातकाल के काले दौर में कांग्रेस द्वारा ऐसा भी किया गया, जब इंदिरा गांधी सरकार ने संविधान की मूल प्रस्तावना ही बदल डाली। कांग्रेस नेता संविधान की किताब जेब में रखते हैं, लेकिन इसे कमजोर करने के लिए हरसंभव कोशिश भी करते हैं। अब कांग्रेस अध्यक्ष को पार्टी की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और देश को बताना चाहिए कि कांग्रेस मुसलमानों को आरक्षण देने के लिए संविधान में बदलाव क्यों करना चाहती है?

कांग्रेस का रवैया हर प्रकार से संविधान विरोधी ही रहा है। संविधान को कमजोर करने वाले अनेक प्रयास कांग्रेस समय-समय पर करती आई है। कांग्रेस द्वारा अपने शासनकाल में इस पर संशोधन लाने का प्रयास किया गया कि सरकार संविधान में क्या-क्या परिवर्तन कर सकती है? स्पष्ट है कि कांग्रेस के लिए हमारा संविधान केवल सत्ता को साधने का एक उपकरण मात्र रहा है, संविधान के प्रति सम्मान की भावना कांग्रेस के चरित्र में नहीं है। जबकि वर्ष 2014 में सत्तारूढ़ होने के बाद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार संविधान के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की संकल्पना को पूरा करने के लिए प्रयासरत है। भारतीय संविधान और लोकतंत्र को सुदृढ़ करने की मंशा से प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अनेक कदम उठाए गए हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बढ़ते कदम

दिनांक 21 से 23 मार्च तक बंगलूरू में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में दशहरा के पावन पर्व पर हुई थी, और इस प्रकार संघ अपनी स्थापना के 100वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है एवं इस वर्ष दशहरा के शुभ अवसर पर ही अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण कर लेगा। संघ की स्थापना विशेष रूप से भारतीय हिंदू समाज में राष्ट्रीयत्व का भाव जागृत करने एवं हिंदू समाज के बीच समरसता स्थापित करने के लक्ष्य को लेकर हुई थी। इन 100 वर्षों के अपने कार्यकाल में संघ ने हिंदू समाज को एकजुट करने में सफलता तो हासिल कर ही ली है साथ ही विशेष रूप से समाज की सज्जन शक्ति में राष्ट्रीयत्व का भाव पैदा करने में सफलता अर्जित की है। सज्जन शक्ति समाज की वह शक्ति है कि जिनकी बात समाज में गम्भीरता से सुनी जाती है एवं उस पर अमल करने का प्रयास भी होता है। संघ ने अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु शाखाओं की स्थापना की थी। इन शाखाओं में देश की युवा पीढ़ी में राष्ट्रीयत्व का भाव जगाकर ऐसे स्वयंसेवक तैयार किए जाते हैं जो समाज के बीच जाकर देश के आम नागरिकों में राष्ट्र भावना का संचार करते हैं एवं समाज के बीच समरसता का भाव पैदा करने का प्रयास करते हैं।

संघ द्वारा स्थापित की गई शाखाओं की कार्यपद्धति पर आज विश्व के अन्य कई देशों में शोध कार्य किए जाने के बारे में सोचा जा रहा है कि किस प्रकार संघ द्वारा स्थापित इन शाखाओं से निकला हुआ स्वयंसेवक समाज परिवर्तन में अपनी महती भूमिका निभाने में सफल हो रहा है और पिछले लगातार 100 वर्षों से इस पावन कार्य में संलग्न है। हाल ही में, दिनांक 14 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 तक (44 दिन) प्रयागराज में लगातार चले एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए महाकुम्भ के मेले में पूरे विश्व से 66 करोड़ से अधिक हिंदू धर्मावलम्बियों ने पवित्र त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई। इतनी भारी संख्या में हिंदू समाज कभी भी किसी महान धार्मिक आयोजन में शामिल नहीं हुआ होगा और संभवत: पूरे विश्व में कभी भी इस तरह का आयोजन सम्पन्न नहीं हुआ होगा। इस महाकुम्भ में समस्त हिंदू समाज एकजुट दिखाई दिया, न किसी की जाति, न किसी का मत, न किसी के पंथ का पता चला। बस केवल सनातनी हिंदू हैं, यही भावना समस्त श्रद्धालुओं में दिखाई दी। इसी का प्रयास राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले 100 वर्षों से करता आ रहा है। संघ द्वारा आज न केवल भारतीय हिंदू समाज को एकता के सूत्र में पिरोए जाने का कार्य किया जा रहा है बल्कि पूरे विश्व में अन्य देशों में निवासरत भारतीय मूल के हिंदू समाज के नागरिकों को भी एक सूत्र में पिरोए जाने का प्रयास किया जा रहा है। यह कार्य संघ के स्वयंसेवकों द्वारा संघ की शाखा में प्राप्त प्रशिक्षण के बाद सम्पन्न किया जाता है। संघ द्वारा संचालित शाखाओं की संख्या 14 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024 के 73,117 से बढ़कर वर्ष 2025 में 83,129 हो गई है। इन शाखाओं के लगने वाले स्थानों की संख्या भी वर्ष 2024 में 45,600 से बढ़कर 51,710 हो गई है। विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता की भावना जगाने के उद्देश्य से विशेष रूप से विद्यार्थियों के लिए विद्यार्थी संयुक्त शाखाएं भी देश के विभिन्न भागों में लगाई जाती हैं। विद्यार्थी संयुक्त शाखाओं की संख्या 17 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 20224 में 28,409 से बढ़कर वर्ष 2025 में 33,129 हो गई हैं। इसी प्रकार महाविद्यालयीन छात्रों के लिए भी विशेष शाखाएं लगाई जाती हैं।

महाविद्यालयीन (केवल तरुणों के लिए) शाखाओं की संख्या 10 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024 में 5,465 से बढ़कर वर्ष 2025 में 5,991 हो गई है। तरुण व्यवसायी शाखाओं की संख्या भी 14 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024 में 21,718 से बढ़कर वर्ष 2025 में 24,748 हो गई है, इस शाखाओं में विशेष रूप से तरुणों को शामिल किया जाता है। प्रौढ़ व्यवसायी शाखाओं की संख्या 14 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024 में 8,241 से बढ़कर वर्ष 2025 में 9,397 हो गई है एवं बाल शाखाओं की संख्या भी वर्ष 2024 में 9,284 से बढ़कर वर्ष 2025 में 9,864 हो गई है। बाल शाखाओं में छोटी उम्र के बालकों को शामिल किया जाता है। उक्त वर्णित शाखाओं के माध्यम से आज संघ का देश के कोने कोने में विस्तार सम्भव हुआ है। संघ की दृष्टि से देश भर में कुल खंडों की संख्या 6,618 है। इनमें से शाखायुक्त खंडों की संख्या वर्ष 2024 में 5,868 थी जो वर्ष 2025 में बढ़कर 6,112 हो गई है। साथ ही, कुल 58,939 मंडलों में से 30,770 मंडलों में संघ की शाखा लगाई जा रही है। देश भर में महानगरों के अतिरिक्त कुल 2,556 नगर हैं। इन नगरों में से 2,476 नगरों में संघ की शाखा पहुंच गई है। संघ द्वारा विभिन्न श्रेणियों यथा चिकित्सक, अधिवक्ता, शिक्षक, सेवा निवृत अधिकारी एवं कर्मचारी, पत्रकार, प्रोफेसर, युवा उद्यमी जैसी श्रेणीयों के लिए साप्ताहिक मिलन कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। आज देश भर में 32,147 साप्ताहिक मिलन लगाए जा रहे हैं। साथ ही, संघ मंडलियों का गठन भी किया गया है और आज देश भर में 12,091 संघ मंडलियां भी नियमित रूप से लगाई जा रही हैं। भारत में संघ द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न सेवा कार्यों को सम्पन्न करने की दृष्टि से 37,309 सेवा बस्तियां हैं। इनमें से 9,754 सेवा बस्तियां संघ की शाखा से युक्त हैं।

संघ के स्वयसेवकों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से देश भर में प्राथमिक शिक्षा वर्ग भी लगाए जाते हैं। वर्ष 2023-24 में कुल 1,364 प्राथमिक शिक्षा वर्ग लगाए गए एवं इन प्राथमिक शिक्षा वर्गों में 31,070 शाखाओं के 106,883 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। वैश्विक पटल पर भी संघ का कार्य द्रुत गति पकड़ता दिखाई दे रहा है। विश्व के अन्य देशों में हिंदू स्वयंसेवक संघ कार्य कर रहा है। आज विश्व के 53 देशों में 1,604 शाखाएं एवं 60 साप्ताहिक मिलन कार्यरत हैं। पिछले वर्ष 19 देशों में 64 संघ शिक्षा वर्ग लगाए गए। विश्व के 62 विभिन्न स्थानों पर संस्कार केंद्र भी कार्यरत हैं। जर्मनी से इस वर्ष 13 विस्तारक भी निकले हैं। हिंदू स्वयंसेवक संघ के माध्यम से भारत से नई उड़ान भर रहे युवाओं को जोड़ा जाता है ताकि एक तो विदेशों में इनकी कठिनाईयों को दूर किया जा सके तथा दूसरे इनमें सनातन संस्कृति के भाव को जागृत किया जा सके। साथ ही, इन युवाओं के भारत में रह रहे बुजुर्ग माता पिता से भी सम्पर्क बनाया जाता है। संघ के स्वयंसेवक भारत में इनकी समस्याओं को हल करने का प्रयास भी करते हैं। भारत में धार्मिक पर्यटन पर आने वाले भारतीय मूल के नागरिकों की सहायता भी संघ के स्वयंसेवकों द्वारा किए जाने का प्रयास किया जाता है तथा भारतीय मूल के नागरिक यदि भारत में वापिस आकर बसने के बारे में विचार करते हैं तो उन्हें भी इस सम्बंध में उचित सहायता उपलब्ध कराए जाने का प्रयास किया जाता है।

महादेव सट्टा में भूपेश-देवेन्द्र सहित आधा दर्जन पुलिस अफसरों पर छापेमार कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। महादेव ऑनलाइन सट्टा प्रकरण में सीबीआई ने बुधवार को पूर्व सीएम भूपेश बघेल, कांग्रेस विधायक देवेन्द्र यादव, छह पुलिस अफसरों समेत 14 लोगों के 60 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की है। इनमें दो आईजी, एक डीआईजी, एक एआईजी, पो एएसपी स्तर के अफसर शामिल हैं। कुछ जगहों पर सीचीआई की टीम को विरोध का सामना भी करना पड़ा है। सीबीआई की कार्रवाई छत्तीसगढ़ के अलावा भोपाल, कोलकाता और दिल्ली में भी चल रही है। सीबीआई की बड़ी टीम मंगलवार को यहां पहुंच गई थी। आज सुबह रायपुर, और भिलाई आवास में सबसे पहले पूर्व सीएम भूपेश बघेल के यहां सीपीआई की टीम पहुंची। भिलाई में कांग्रेस विधायक देवेन्द्र यादव के निवास पर भी सीबीआई ने छापेमारी को है। पूर्व सीएम भूपेश बघेल के करीबी विजय भाटिया के यहां भी ईडी ने छापेमारी की है। सीबीआई की टीम आईवी डॉ. आनंद छाबड़ा, आरिफ शेख, और डीआईजी प्रांत अग्रवाल व अभिषेक पल्लव के निवास पर भी दबिश दी। अग्रवाल, और पल्लव का भिलाई में निवास है। रायपुर में आईजी डॉ. छाबड़ा के शांतिनगर स्थित निवास पर टीम पहुंची। इसके अलावा एएसपी संजय घुष, और अभिषेक माहेश्वरी के यहां भी सीबीआई ने छापेमारी की है। इसके अलावा सीबीआई की टीम दो आरक्षकों के यहां भी गई थी।

माहेश्वरी का भावना मगर स्थित मकान में टीम पहुंची थी, लेकिन वो नहीं थे। उनका घर सील कर दिया गया। यही नहीं, पूर्व सीएम के ओएसडी मनीष बंछोर, और आशीष वर्मा के यहां भी सीबीआई ने छापेमारी की है। जेल में बंद रिटायर्ड आईएएस अनिल टूटेजा, और सौम्या

सीबीआई का बयान: सीबीआई ने जारी एक प्रेसनोट में कहा कि महादेव बुक ऑनलाइन सट्टेबाजी घोटाले की जांच में, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीवीआई) बुधवार को छतीसगढ़, भोपाल, कोलकाता और दिली में 60 स्थानों पर तलाशी ले रहा है, जिसमें राजनेताओं, वरिष्ठ नौकरशाहों, पुलिस अधिकारियों, महादेव बुक के प्रमुख पदाधिकारियों और मामले में शामिल होने के संदिग्ध अन्य निजी व्यक्तियों से जुड़े परिसर शामिल हैं। यह मामला महादेव बुक के अवैध संचालन से संबंधित है. जो रवि उत्पल और सौरभ चंद्राकर द्वारा प्रवर्तित एक ऑनलाइन सट्टेबाजी मंच है, जो वर्तमान में दुबई में स्थित हैं। जांच से पता चला है कि प्रमोटरों ने अपने अवैध सट्टेबाजी नेटवर्क के सुचारू और निर्बाध संचालन को सुनिश्चित करने के लिए कथित तौर पर लोक सेवकों को सुरक्षा धन के रूप में बड़ी मात्रा में भुगतान किया।

आगे कहा गया कि शुरुआत में आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) रायपुर द्वारा दर्ज किए गए इस मामले को बाद में छतीसगढ़ सरकार द्वारा वरिष् सरकारी अधिकारियों और अन्य आरोपी व्यक्तियों की भूमिका की व्यापक जांच के लिए सीबीआई को सौंप दिया गया था। तलाशी के दौरान डिजिटल और दस्तावेजी साक्ष्य पाए गए और उनहें जब्त कर लिया गया। तलाशी जारी है।

चौरसिया के यहां भी सीबीआई ने दबिश दी : करीब डेढ़ साल की चुप्पी के बाद सीबीआई की पहली कार्रवाई है। प्रकरण की ईडी जांच कर रही थी, और फिर ईडी ने प्रकरण सीची आई के हवाले कर दिया था। बताया गया कि ईडी ने महादेव ऑनलाइन सट्टा के प्रमोटर द्वारा तत्कालीन सीएम भूपेश बघेल, और उनके पनीषियों को 508 करोड़ रूपए सुरक्षा राशि के रूप में भुगतान करने का जिक्र किया था। महादेव एप के संचालकों में से एक शुभम सोनी ने भी शपथ पत्र दिए थे।

मंदिर में चोरी करने वाला गिरफ्तार, ताला तोड़कर दान पेटी से उड़ाए थे पैसे

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में एक मंदिर में चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने मंदिर का ताला तोड़कर दान पेटी से कैश चोरी किया था। इस मामले में मंदिर के पुजारी ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई थी। यह पूरा मामला पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के भाटागांव का है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, सुरेश कुमार दुबे ने पुलिस को बताया कि 20 मार्च को रात 10 बजे शिव साई मंदिर भाटागांव में गेट पर ताला लगा कर सोने चला गया। अगले दिन सुबह जब मंदिर में पहुंचा तो देखा कि में गेट का ताला टूटा हुआ है और दान पेटी का लॉकर भी टूट गया है। चोर ने दान पेटी में रखें कैश की चोरी कर ली है। इस मामले में पुलिस ने आसपास सीसीटीवी कैमरे की मदद से चोर की पहचान की। पुलिस ने बस स्टैंड भाटा गांव में रहने वाले एक आरोपी विी साहू को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से पुलिस ने करीब 12 हजार रुपए कैश बरामद किए हैं। आरोपी मूल रूप से गरियाबंद का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

पुलिस और क्राइम ब्रांच ने घेराबंदी कर जुआरियों को पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में सट्टा खिलाते 3 युवक गिरफ्तार हुए हैं। एंटी र इम यूनिट को खुफिया सूचना मिली थी, जिसके बाद आरोपियों की घेराबंदी करके छापा मारा गया। इस मामले में आजाद चौक पुलिस ने दो और तेलीबांधा पुलिस ने एक आरोपी को जुआ एक्ट में जेल भेजा है। एंटी क्राइम यूनिट को सूचना मिली की आजाद चौक थाना क्षेत्र के मोमिनपारा में क्षेत्र में अंको में दाव लगाकर सट्टा खेल रहे हैं। इसके अलावा तेलीबांधा थाना इलाके के गली नंबर 7 में मोबाइल फोन के माध्यम से एक व्यक्ति सट्टा का संचालन कर रहे हैं। इसके बाद पुलिस अफसरों के निर्देश में पुलिस टीम को मौके में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए रवाना किया गया। रेड कार्रवाई के दौरान दोनों जगह में 3 व्यक्ति उपस्थित पाए गए। जो अलग-अलग माध्यम से सट्टा संचालित कर रहे थे। पूछताछ में व्यक्तियों ने अपना नाम गुलाम और सनी विश्वकर्मा निवासी आजाद चौक, वहीं राज जसूजा निवासी तेलीबांधा बताया। इस दौरान पुलिस ने तीनों आरोपियों से करीब 22 हजार जब्त किया है। आरोपियों के खिलाफथ्त् दर्ज कर जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत जेल भेजा गया है।

जमीन विवाद में भतीजे ने चाचा पर किया जानलेवा हमला

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (एजेंसी)। कोरबा के हरदीबाजार थाना क्षेत्र के ग्राम सलोराखार में जमीन विवाद में भतीजे ने अपने 62 वर्षीय चाचा पर डंडे से हमला कर दिया। इस घटना में चाचा हीरा सिंह के सिर और चेहरे पर चोट लगी है, जिसके बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना भिलाई बाजार इलाके में हुई। ग्राम सलोराखार निवासी हीरा सिंह ने बताया कि वो घर के बाहर चबूतरे पर बैठा हुआ था। इसी दौरान उनका भतीजा तेजभुवरन वहां आया। उसने अकेला देखकर चाचा पर डंडे, लात से हमला कर दिया। हमले में हीरा सिंह के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं।

घायल जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती

पीड़ित ने मदद के लिए आवाज लगाई। लेकिन बस्ती से दूर होने के कारण कोई नहीं पहुंच पाया। वह लहूलुहान हालत में वहीं पड़े रहे। कुछ देर बाद एक ग्रामीण की नजर पड़ी। उसने परिजनों को सूचना दी। परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे और घायल को जिला मेडिकल कॉलेज ले गए।

जमीन विवाद को लेकर कई बार हो चुके हैं झगड़े पीड़ित का कहना है कि इससे पहले भी जमीन विवाद को लेकर कई बार झगड़े हो चुके हैं। उन्हें डर है कि भतीजा फिर से हमला कर सकता है। अस्पताल प्रबंधन ने पुलिस चौकी को मामले की सूचना दे दी है। घायल का बयान दर्ज किया जाएगा और जांच के लिए संबंधित थाने को रिपोर्ट भेजी जाएगी।

रायगढ़ में जारी सिम से कंबोडिया में साइबर फ्रॉड

पीएसओ एजेंट ने कार्ड ठगों को बेचाय ग्राहकों के आधार कार्ड-थंब इम्प्रेशन का किया दुरुपयोग, गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रायगढ(एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक PSO (प्वाइंट ऑफसेल) एजेंट को पुलिस ने पकड़ा है। उसके जारी किए गए फर्जी सिम कार्ड का उपयोग कंबोडिया में साइबर फ्रॉड के लिए किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया है।

मामले का खुलासा करते हुए साइबर सेल डीएसपी अनिल विश्वकर्मा ने बताया कि पुलिस मुख्यालय से साइबर फ्रॉड के लिए उपयोग किए जा रहे मोबाइल सिम को लेकर चै एजेंट पर कार्रवाई करने के लिए निर्देश दिए गए। पुलिस को जांच में पता चला कि छाल थाना क्षेत्र के ग्राम मुकुंद में रहने वाला मुगली राठिया (24) के नाम से सिम रजिस्टर्ड है, लेकिन वह सिम का उपयोग नहीं कर रहा है। साइबर सेल की टीम ने पता लगाया तो जानकारी मिली कि ग्राम पुरंगा में रहने वाला भूपेन्द्र दास महंत ने सिम जारी किया है। वह चै एजेंट का काम करता था। भूपेन्द्र के पास आने वाले ग्राहकों के आधार कार्ड और थंब प्रिंट का दुरूपयोग कर सिम कार्ड जारी किया और अवैध रूप से साइबर ठगों को बेच दिया था। भूपेन्द्र दास महंत को साइबर सेल ने पकड़ा और पूछताछ किया तब उसने अपने अपराध स्वीकार किया।

कंबोडिया में सिम से साइबर फ्रॉड: भूपेन्द्र ने बताया कि मुगली राठिया के नाम पर फर्जी सिमकार्ड जारी कर अज्ञात व्यक्ति को अधिक कीमत में बेच दिया था। जिसका उपयोग कंबोडिया में साइबर ट्रेडिंग फ्रॉड में किया गया। जिसके बाद जूटमिल पुलिस ने आरोपी भूपेन्द्र दास महंत के खिलाफ अपराध दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

शादीशुदा महिला की तीसरे-अफेयर के शक में हत्या

नाबालिग बॉयफ्रेंड बोला-मुझे और अपने पति दोनों को धोखा दिया, प्राइवेट पार्ट में चम्मच घुसाया

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। रायपुर में एक शादीशुदा महिला की उसके नाबालिग बॉयफ्रेंड ने तीसरे अफेयर के शक में हत्या कर दी। उसे लगता था कि, महिला अपने पति और उसके अलावा किसी तीसरे व्यक्ति के साथ भी रिलेशन में है। जब महिला ने बॉयफ्रेंड से बात करना बंद किया तो वह नाराज हो गया। उसने चम्मच से महिला के गले, प्राइवेट पार्ट और शरीर के कई जगहों पर हमला कर मार डाला। घटना धरसींवा थाना की है। उरला बै्च् पूर्णिमा लांबा ने बताया कि, 28 साल की ममता (बदला हुआ नाम) विधानसभा क्षेत्र की रहने वाली थी। पुलिस को 23 मार्च को महिला की लाश धरसींवा इलाके के मोहदी गांव के खेत में मिली। बॉडी के गले, गुप्तांग, जांघ और शरीर के अन्य जगहों पर चोट के निशान थे। जांच के बाद पता चला कि, विधानसभा थाना में 22 मार्च को महिला की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज है।

नाबालिग के साथ था महिला का अफेयर: पुलिस की जांच में सामने आया कि, ममता का 17 साल के नाबालिग के साथ अफेयर था। लेकिन पिछले कई दिनों से उसने नाबालिग के साथ बातचीत बंद कर दी थी। जिस वजह से नाबालिग से उसका विवाद भी हुआ। नाबालिग को शक था कि, महिला का किसी तीसरे व्यक्ति के साथ अफेयर चालू हो गया है। महिला उसे और अपने पति को धोखा दे रही है। इस बात से वह नाराज था।

सुनसान खेत में ले जाकर दोस्त के साथ मार डाला: बताया कि, नाबालिग ने 20 मार्च को ममता को बातचीत के बहाने बुलाया। फिर उसे बाइक पर बैठाकर अपने दोस्त समीर निषाद के साथ धरसींवा इलाके के मोहदी गांव ले गया। वहां उसने महिला के गले पर चम्मच से वार कर दिया। जब महिला घायल होकर जमीन पर गिर गई। तो उसने शरीर के कई हिस्सों में वार किया। जिससे महिला की मौत हो गई।

गुमराह करने के लिए महिला का अंडरवियर निकाला: बताया जा रहा है कि, आरोपी इतना शातिर था कि हत्या के बाद पुलिस को गुमराह करने के लिए उसने रेप के बाद हत्या दिखाने के लिए पूरी तैयारी की। उसने महिला के गुप्तांग में वार किया। जिससे खून निकलने लगा। इसके अलावा उसने महिला के अंडरवियर को भी उतार दिया। लाश के निचले हिस्से के कपड़े उतार कर उसे अर्धनग्न कर दिया। जिससे पुलिस को लगे की किसी ने महिला की रेप के बाद हत्या की है।

दो बच्चों की मां थी महिला: पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, महिला के दो बच्चे हैं। जो करीब 5 और 7 साल के हैं। महिला अपने पति के साथ मायके में ही रहती थी। फिलहाल पुलिस ने महिला की लाश का पोस्टमॉर्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया है। इस मामले में पुलिस ने नाबालिग और उसके दोस्त समीर निषाद को हिरासत में ले लिया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

कोरबा में नाली निर्माण में लापरवाही, दो महीने से स्लैब नहीं लगा

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (एजेंसी) कोरबा नगर निगम के अमरैयापारा वार्ड नंबर 14 में नाली निर्माण की लापरवाही से लोग परेशान हैं। दो महीने पहले पानी निकासी के लिए पुरानी नाली को तोड़कर नई नाली का निर्माण शुरू किया गया। नाली तो बन गई, लेकिन ठेकेदार ने स्लैब नहीं लगाया। इससे क्षेत्र में कई समस्याएं पैदा हो गई हैं। वार्ड की रहवासी सरिता चौहान ने बताया कि खुली नाली में खेलते हुए कई बच्चे गिर चुके हैं। सौभाग्य से समय रहते उन्हें बचा लिया गया। रात के समय राहगीर भी हादसों का शिकार हो रहे हैं।

गंदगी से मच्छर पनप रहे हैं: प्रतिभा यादव ने बताया कि खुली नाली में गंदगी जमा होने से मच्छर पनप रहे हैं। इससे बीमारियां फैल रही हैं। सबसे ज्यादा बच्चे प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय लोगों ने पूर्व पार्षद और निगम प्रशासन से कई बार शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। वार्ड पार्षद के पति टीकम राठौर का कहना है कि यह काम पूर्व कार्यकाल में हुआ है। वे इस मामले की जानकारी लेकर नगर निगम आयुक्त से शिकायत करेंगे और आगे की कार्रवाई करेंगे।

सड़क हादसे में घायल व्यक्ति को निगम आयुक्त ने अस्पताल पहुंचाया

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। साजापहाड़ पहुंच मार्ग से रोजाना की तरह मंगलवार की रात्रि को सुरेन्द्र समुन्द्रे आत्मज लल्ला, निवासी रेलवे स्टेशन के पास हल्दीबाड़ी, चिरमिरी, जो कि पाराडोल रेलवे स्टेशन से ड्यूटी करके वापस अपने घर आ रहे थे, तभी अचानक तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वे बुरी तरह घायल हो गए। उसी वक्त उक्त मार्ग से गुजर रहे नगर पालिक निगम के आयुक्त रामप्रसाद आचला की नजर सड़क किनारे पड़े घायल व्यक्ति पर पड़ी। आयुक्त ने दरियादिली दिखाते हुए अपने वाहन चालक और स्टाफमनीष और अरमान हथगेन की मदद से घायल को अपनी गाड़ी में बैठाया और अस्थायी जिला चिकित्सालय बड़ाबाजार में भर्ती करवाकर उपचार शुरू कराया।

आपको बता दें कि सुरेन्द्र समुन्द्रे हल्दीबाड़ी के निवासी हैं और पाराडोल रेलवे स्टेशन में ड्यूटी करते हैं। वे प्रतिदिन मनेन्द्रगढ़-साजापहाड़ मार्ग से गुजरते हुए अपने कार्यस्थल जाते हैं। मंगलवार की रात अचानक एक तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उनके हाथ में गंभीर चोट आई। वहीं नगर निगम के आयुक्त रामप्रसाद आचला 26 मार्च को छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल रमेन डेका के एमसीबी प्रवास आगमन की तैयारियों को पूरा कर वापस चिरमिरी लौट रहे थे। तभी नागमाड़ा मंदिर के समीप उनकी नजर घायल सुरेन्द्र समुन्द्रे पर पड़ी। आयुक्त ने एम्बुलेंस या अन्य वाहन का इंतजार करने की बजाय स्वयं अपनी गाड़ी से घायल को अस्पताल पहुंचाया और मौके पर उपस्थित रहकर ड्यूटी में तैनात डॉक्टर और स्टाफ को घायल व्यक्ति का उचित उपचार करने के निर्देश दिए। इस मानवीय कार्य से उन्होंने मानवता की मिसाल पेश की। इस दौरान मौके पर नगर निगम के एमआईसी सदस्य मनोज डे भी उपस्थित रहे।

रायगढ़ में बिजली खंभे से टकराया डीजल-पेट्रोल वाहनरूअनियंत्रित होकर पलटा, बाल्टी लेकर तेल लूटने पहुंचे लोग, पत्थलगांव रोड पर हुआ हादसा

मीडिया ऑडीटर, रायगढ (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के पत्थलगांव रोड के मोड़ पर डीजल और पेट्रोल से भरा वाहन बिजली के खंभे से टकरा कर पलट गया। इससे कोई बड़ा नुकसान तो नहीं हुआ, लेकिन जैसे ही लोगों को घटना की जानकारी मिली, वे बाल्टियां और बर्तन लेकर डीजल-पेट्रोल लूटने पहुंच गए। मामला धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, आज दोपहर करीब 3 बजे डीजल और पेट्रोल से भरा एक वाहन धरमजयगढ़ से पत्थलगांव की ओर जा रहा था। रास्ते में तेजपुर के पास एक मोड़ पर तेज रफ्तार वाहन अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गया। टक्कर के बाद वाहन सड़क किनारे पलट गया, जिससे डीजल और पेट्रोल जमीन पर बहने लगा।

लोगों में मची लूट, बाल्टियों में भरने लगे पेट्रोल: जैसे ही आसपास के लोगों को घटना की जानकारी मिली, वहां बड़े-बुजुर्ग और बच्चे तक बाल्टियां, बोतलें और अन्य बर्तन लेकर पहुंचे और डीजल-पेट्रोल इकट्ठा करने लगे। कुछ ही देर में वहां भीड़ जमा हो गई। हालांकि, यह बेहद खतरनाक स्थिति थी, क्योंकि थोड़ी सी चिंगारी भी बड़ा विस्फोट कर सकती थी। तब तक मामले की जानकारी पुलिस को लग चुकी थी। ऐसे में तत्काल धरमजयगढ़ और रैरूमा चौकी से पुलिस के जवान भी मौके पर पहुंचे। इस दौरान बाल्टियां लेकर पेट्रोल-डीजल जमा करने पहुंचे लोगों को हटाया गया और भीड़ को नियंत्रित किया गया। इस हादसे में ड्राइवर को किसी भी तरह की चोट नहीं आई।

इस संबंध में धरमजयगढ़ थाना प्रभारी कमला पुशाम ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच गई। वाहन में डीजल और पेट्रोल दोनों था। ऐसे में कोई बड़ी घटना न हो जाए, इसके लिए फायर ब्रिगेड, वाहन को उठाने के लिए क्रेन बुलाया गया है। मामले में आगे की जांच की जा रही है।

राज्यपाल ने किया एमसीबी जिले का दौरा, ली समीक्षा बैठक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने अपने एक दिवसीय एमसीबी जिला प्रवास के दौरान जिला कलेक्टर कार्यालय आगमन पर उनका सलामी देकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात राज्यपाल ने ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान के तहत अपनी माता स्व. श्रीमती चंपावती डेका के नाम पर ''सफेद चंदन'' का पौधा रोपण किया। इस दौरान कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। उनके आगमन पर स्थानीय प्रशासन और गणमान्य नागरिकों ने हृदय पूर्ण स्वागत किया। इस अवसर पर राज्यपाल को जिले की विशेषताओं को दर्शाने वाला एक स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। राज्यपाल ने जिले के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की, जिसमें जिले में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी ढांचे, जल आपूर्ति, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास से संबंधित योजनाओं की समीक्षा की गई।

जज कैश केस- पुलिस ने स्टोर रूम सील किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के घर जले हुए नोटों के बंडल मिलने के मामले में बुधवार को पुलिस उनके घर पहुंची। रिपोर्ट्स के मुताबिक, डीसीपी नई दिल्ली देवेश की टीम ने पैसे मिलने वाले स्टोर रूम को सील किया है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने को कहा है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता एडवोकेट मैथ्यूज जे नेदुम्परा से सार्वजनिक बयान न देने का आदेश दिया है। हालांकि, मैथ्यू ने सीजेआई की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने जले हुए नोटों के वीडियो को सार्वजनिक करके अच्छा काम किया है। इसके अलावा दूसरे याचिकाकर्ता ने सीजेआई के निर्णय को चुनौती दी, जिसमें 3 जजों के पैनल को आंतरिक जांच करने को कहा गया है। याचिकाकर्ता ने कहा कि अगर इतना पैसा किसी बिजनेसमैन के घर पर मिलता तो ईडी और आईटी पीछे पड़ जातीं। उधर, पुलिस ने जस्टिस वर्मा के घर में आग लगने की घटना को लेकर जांच की। वहीं, अधजले नोट मिलने को लेकर कर्मचारियों से पूछताछ की। दरअसल, जस्टिस वर्मा के घर में 14 मार्च को होली के दिन आग लग गई थी। फायर सर्विस की टीम जब उसे बुझाने गई तो स्टोर रूम में उन्हें बोरियों में भरे 500-500 रुपए के अधजले नोट मिले थे।

महादेव सट्टा...भूपेश बघेल के घर सबीआई रेड, समर्थकों का हंगामा

भिलाई (एजेंसी)। महादेव सट्टा एप मामले में सीबीआई की टीम ने छत्तीसगढ़ सहित 4 राज्यों दिल्ली, भोपाल और कोलकाता के 60 जगहों पर छापा मारा है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, उनके दो ओएसडी रहे आशीष वर्मा और मनीष बंछोर, उनकी सेक्रेटरी रही सौम्या चौरसिया, विधायक देवेंद्र यादव, रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा और 4 आईपीएस अधिकारी आनंद छाबड़ा, अभिषेक पल्लव, आरिफ शेख, प्रशांत अग्रवाल के घर जांच जारी है। एएसपी संजय ध्रुव और दो सिपाही नकुल-सहदेव के घर भी टीम ने दबिश दी है। रायपुर, दुर्ग और भिलाई में 10 से अधिक टीमें कार्रवाई कर रही है। पूर्व सीएम के भिलाई-3 पदुम नगर स्थित घर, विधायक देवेंद्र यादव के सेक्टर 5 स्थित घर, आईपीएस अभिषेक पल्लव के सेक्टर 9 स्थित निवास और उनके समय में महादेव सट्टा चलाने वाले सिपाही नकुल और सहदेव के नेहरू नगर स्थित घर पर दस्तावेजों की जांच जारी है। भूपेश के घर के बाहर बड़ी संख्या में मौजूद समर्थक कार्रवाई का विरोध कर रहे हैं। इस दौरान पुलिस के साथ उनकी झड़प भी हो गई। भिलाई में देवेंद्र यादव की मां ने सीबीआई की कार्रवाई का विरोध किया। उन्होंने करीब घंटे भर टीम को घर के अंदर जाने नहीं दिया। टीम ने विधायक की मां को समझाइश दी, जिसके बाद कार्रवाई जारी है। बता दें कि देवेंद्र यादव शहर से बाहर दिल्ली गए हुए हैं।

कर्नाटक डिप्टी सीएम बोले-भाजपा संविधान बदलने वाली बात साबित करे

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि, संविधान बदलने वाले बयान को भाजपा साबित कर दे तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। मंगलवार को बेंगलुरु में पत्रकारों से बातचीत में शिवकुमार ने कहा- मैं पागल नहीं हूं। जो ऐसा कहूंगा। दरअसल, भाजपा नेताओं का दावा है कि शिवकुमार 23 मार्च को कर्नाटक के एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। जहां उन्होंने कहा था कि मुस्लिम आरक्षण के लिए संविधान बदल देंगे। कर्नाटक कांग्रेस सरकार ने 7 मार्च को विधानसभा में बजट के दौरान मुस्लिम कॉन्ट्रैक्टर्स को सरकारी टेंडर में 4 प्रतिशत आरक्षण देने की घोषणा की थी।

सहकारिता आंदोलन को आगामी 4 वर्ष में नए मुकाम पर पहुंचाएंगे-मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार सर्वजनकल्याण के संकल्पों के साथ कार्य कर रही है। वर्तमान में पंचायत से लेकर मंत्रालय तक पारदर्शितापूर्ण कार्य शैली के कारण अन्य क्षेत्रों के साथ सहकारी क्षेत्र में समृद्ध हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय सहकारिता एवं गृह मंत्री श्री अमित शाह ने सहकारिता का लाभ पहुंचाने के लिये बहुजन हिताय-बहुजन सुखाय के भाव के अनुसार कार्य करने के लिए मार्गदर्शन दिया है। मध्यप्रदेश सहकारिता के क्षेत्र में निश्चित ही नए दौर की नई कहानी लिखेगा। गुजरात में दूध पर बोनस की जिस तरह व्यवस्था है, मध्यप्रदेश भी इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके साथ ही मध्यप्रदेश में मत्स्य पालन के लिए काफी बड़ा क्षेत्र है और हाल ही में ग्लोबल

इन्वेस्टर्स समिट में भी उद्योग क्षेत्र के साथ सहकारिता ने कार्य करने की पहल की है। मध्यप्रदेश में सहकारिता आंदोलन को गति दी जा रही है। अब सहकारिता क्षेत्र में व्यवस्थाएं काफी पारदर्शी हैं और मध्यप्रदेश में सहकारिता के विभिन्न आयामों पर कार्य किया जाएगा। आने वाले चार वर्ष में सहकारिता आंदोलन को नए मुकाम पर पहुंचाया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को समन्वय भवन में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन में पधारे प्रदेश भर के प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने सहकारिता विभाग में नवनियुक्त सहकारी निरीक्षकों के नियुक्ति पत्र भी सौंपे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सहकारिता विभाग के प्रयासों की सराहना की।

राहुल बोले- मुझे लोकसभा में बोलने नहीं दिया जाता

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट सत्र के दूसरे फेज का आज 11वां दिन है। इस दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मुझे लोकसभा में बोलने नहीं दिया जाता है। संसद अलोकतांत्रिक तरीके से चलाई जा रही है। उन्होंने कहा- विपक्ष के सवालों का जवाब नहीं मिलता है। संसद केवल सरकार के लिए चल रही है। इस बीच विपक्ष के 70 सांसद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मिले। सांसदों ने स्पीकर से अपनी नाराजगी जताई। राहुल गांधी ने कहा कि मुझे नहीं पता कि क्या हुआ। मैं खड़ा हुआ और कहा कि मुझे बोलने दीजिए। स्पीकर एक शब्द नहीं बोले, घूमकर चले गए। हाउस एडजर्न (सदन स्थगित) कर दिया

गया। मैंने कुछ नहीं किया। मैं बिल्कुल शांति से बैठा था। अभी भी मैंने एक शब्द नहीं बोला। पिछले 7-8 दिन में मैंने कुछ नहीं बोला है। ये नया तरीका है। डेमोक्रेसी में सरकार और अपोजिशन (विपक्ष) की जगह होती है। यहां अपोजिशन की जगह है ही नहीं। यहां सिर्फ सरकार की जगह है। उस दिन प्रधानमंत्री जी ने कुंभ मेले के बारे में बोला। मैं कहना चाहता था कि कुंभ बहुत अच्छा हुआ। बेरोजगारी के बारे में बोलना चाहता था, लेकिन बोलने नहीं दिया। पता नहीं इनकी क्या थिंकिंग (सोच), क्या अप्रोच है? सच्चाई यही है कि हमें बोलने नहीं दिया जा रहा। हमारी मुख्य विपक्षी पार्टी है। मैं विपक्ष का नेता हूं। सदन बिल्कुल नॉन-डेमोक्रेटिक स्टाइल (अलोकतांत्रिक तरीके) से चलाया जा रहा है। इधर, आज राज्यसभा में फाइनेंस बिल-2025 पेश हो सकता है। लोकसभा में मंगलवार को फाइनेंस बिल-2025 पैंतीस बदलावों के साथ पास हो गया था। इस बिल में ऑनलाइन विज्ञापनों पर 6 प्रतिशत डिजिटल टैक्स खत्म करना शामिल है।

बेल्जियम बोला- भगोड़ा हीरा कारोबारी चोकसी हमारे यहां

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेल्जियम के विदेश मंत्रालय ने ऑफिशियल स्टेटमेंट में चोकसी की देश में मौजूदगी की जानकारी दी। साथ ही कहा- हम मामले की अहमियत समझते हैं। हालांकि, बेल्जियम ने भी कहा- हम व्यक्तिगत मामलों पर टिप्पणी नहीं करते। फिर भी विदेश विभाग इस महत्वपूर्ण मामले में होने वाली घटनाओं पर लगातार नजर बनाए हुए है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत ने बेल्जियम के अधिकारियों से चोकसी के प्रत्यर्पण (एक्स्ट्रेडिशन) प्रक्रिया शुरू करने के लिए संपर्क किया है। मेहुल चोकसी और एक अन्य भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी पर पीएनबी की मुंबई स्थित ब्रेडी हाउस ब्रांच में 13,850 करोड़ रुपए का घोटाला करने का आरोप है। इससे पहले चोकसी ने पासपोर्ट सस्पेंड होने के कारण भारत नहीं लौट पाने का बहाना बनाया था। बेल्जियम से पहले एंटीगा-बारबूडा में रह रहा था आरोपी 2018 में भारत छोड़ने से पहले ही चोकसी ने 2017 में ही एंटीगा-बारबूडा की नागरिकता ले ली थी। चोकसी बार-बार खराब सेहत का हवाला देकर भारत में पेशी पर आने से इनकार करता रहा है। कभी-कभी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ही उसकी पेशी होती है। भारत में उसकी कई संपत्तियां भी जब्त की जा चुकी हैं। एंटीगुआ से डोमिनिका पहुंचा, जेल में 51 दिन रहा था चोकसी मई 2021 में एंटीगा से पड़ोसी देश डोमिनिका पहुंच गया था।

पंजाब बजट, केजरीवाल की गारंटी अधूरी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बुधवार को आम आदमी पार्टी सरकार का चौथा बजट पेश किया। उन्होंने मेरा पंजाब, बदलता पंजाब थीम पर 2.36 लाख करोड़ का बजट रखा। ये पिछली बार से करीब 15त्न ज्यादा है। बजट में महिलाओं को 1,100 रुपए देने का ऐलान नहीं किया गया। चुनाव से पहले आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने इसकी गारंटी दी थी। बजट में सरकार का फोकस नशे पर रहा। ?150 करोड़ रुपए से सरकार ड्रग जनगणना कराएगी, इसका मतलब पंजाब में नशा कर रहे लोगों की गिनती की जाएगी। सेहत बीमा कवर योजना के तहत 65 हजार परिवारों को 10 लाख तक का मुफ्त इलाज मिलेगा।सरकार इंडस्ट्री के लिए नई पॉलिसी लाएगी। इसके प्रोत्साहन के लिए 250 करोड़ रखे हैं। 300 यूनिट मुफ्त बिजली योजना जारी रहेगी। इसके लिए बजट में 7,614 करोड़ रखे गए हैं। पंजाब अनुसूचित जाति भूमि विकास एवं वित्तीय निगम से लिए गए लोन को माफ किया है। इससे 4,650 लोगों को फायदा होगा। साथ ही सरकार ने किसी नए टैक्स का भी ऐलान नहीं किया।

हरियाणा में गुजरात पुलिस के 3 जवानों की मौत

डबवाली, सिरसा। हरियाणा के सिरसा जिले में भारतमाला रोड पर बुधवार सुबह एक बड़ा हादसा हुआ। गुजरात पुलिस की गाड़ी की किसी अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई। इस हादसे में गुजरात के तीन पुलिसकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पंजाब पुलिस का एक स्ब्ह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस को मौके से एक पंजाब की नंबर प्लेट मिली है। पुलिस को आशंका है कि इस वाहन से टक्कर हुई। हादसा अल सुबह 5~30 बजे हुआ। इसकी जानकारी डबवाली थाना पुलिस ने गुजरात पुलिस को देकर तीनों के शवों को मॉर्च्यूरी में रखवा दिए। साथ ही घायल आईएसआई को सामान्य अस्पताल में भर्ती करवाया। सदर थाना प्रभारी ब्रह्म प्रकाश के अनुसार, पुलिस नंबर प्लेट के आधार पर अज्ञात वाहन का पता लगाने में जुटी है। गुजरात पुलिस बुधवार की शाम तक सिरसा पहुंचेगी। गुजरात पुलिस एयरलाइन के जरिए आएगी। बताया जा रहा है कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ परिजन भी आ रहे है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गुजरात पुलिस पंजाब के लुधियाना में पॉक्सो एक्ट मामले में जांच के लिए आई थी। सुबह चार बजे ही पुलिस पहुंच गई थी।

यहां पंजाब के रामा मंडी थाना से आईएसआई जेपी सोलंकी को जांच के

लालू बोले-वक्फ संशोधन बिल का नीतीश समर्थन कर रहे

पटना (एजेंसी)। पटना में वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ बुधवार को गर्दनीबाग में मुस्लिम संगठनों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन को आरजेडी का समर्थन मिला। धरनास्थल पर आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी पहुंचे। दोपहर बाद प्रशांत किशोर भी गर्दनीबाग पहुंचे और वक्फ बिल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया। लालू यादव ने कहा- गलत हो रहा है। सरकार को देखना चाहिए। हम इसके विरोध में हैं। किसी के साथ अन्याय नहीं होगा। नीतीश कुमार उन लोगों के साथ हैं, वो इस बिल का समर्थन कर रहे हैं। जनता सब समझ रही है। वहीं, सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा- किसी भी कीमत पर नागपुरिया कानून लागू नहीं होने देंगे। आप लोगों की लड़ाई में मजबूती से हम साथ हम खड़े हैं। आप लोग एक कदम चलिएगा तो हम चार कदम चलेंगे। इस कानून को रोकने का काम करेंगे। कुछ लोग साजिश कर रहे हैं। देश को तोड़ने का काम किया जा रहा है।

आरजेडी एमएलसी सुनील सिंह ने कहा- इसका असर पूरे देश में होगा। हम लोग गोडसे के आदर्श पर नहीं चलते हैं। जिस पर आरएसएस वाले चलते हैं। हमारे नेता लालू यादव इसका विरोध कर रहे हैं। हम लोग मरते दम तक इस बिल का विरोध करेंगे।

पलानीस्वामी और अमित शाह की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री और एआईएडीएमके महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी (ईपीएस) ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने तमिलनाडु से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (टीएएसएमएसी) से जुड़े कथित घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चल रही जांच भी शामिल थी। हालांकि, इस मुलाकात के बाद भाजपा और एआईएडीएमके के बीच एक बार फिर से अटकले तेज हो गई हैं। तमिलनाडु में अगले साल चुनाव

होने है। भाजपा के साथ अपनी पार्टी के गठबंधन के बारे में पूछे जाने पर अन्नाद्रमुक नेता एडप्पादी के पलानीस्वामी ने कहा कि गठबंधन के बारे में मैं कई बार बोल चुका हूँ। क्या कोई पार्टी गठबंधन पर अडिग है? क्या डीएमके गठबंधन में शामिल पार्टियाँ अडिग हैं? हम नहीं बता सकते। यह राजनीति है, राजनीतिक परिस्थिति के अनुसार बदलाव होते रहते हैं। हम अभी कैसे बता सकते हैं? 2019 के चुनाव के समय हमने कब गठबंधन किया था? जब हमने घोषणा की थी, तब फरवरी थी। उन्होंने आगे कहा कि इसी तरह हम समान विचारधारा वाली पार्टियों से बातचीत करेंगे और चुनाव नजदीक आने पर गठबंधन पर फैसला लेंगे। अगर आप अभी पूछेंगे तो मैं आपको इसके बारे में कैसे बता सकता हूं? हम आपको बता देंगे कि आपको हमारे गठबंधन की स्थिति के बारे में पता है।

हरियाणा में पारा पहुंचा 39 डिग्री, अब सताएगी गर्मी

रेवाड़ी (एजेंसी)। हरियाणा में इस वर्ष के सीजन में हरियाणा का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस से अधिक पहुंच गया है। जो अब तक सबसे अधिक दर्ज किया गया। प्रदेश का तापमान सामान्य से 4.8 डिग्री सेल्सियस अधिक है। इसका असर दोपहर को जब भी धूप खिलती है तो देखने को मिलता है।

मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार रात की तुलना में मंगलवार का औसत अधिकतम तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, राज्य में यह सामान्य से 4.8 डिग्री सेल्सियस अधिक है। हरियाणा में सोमवार को सबसे अधिक अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो महेंद्रगढ़ के नारनौल में दर्ज किया गया।

बीती रात को प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान हिसार के बालसमंद में 13.4 डिग्री दर्ज किया गया। इससे पहले दिन सबसे कम तापमान सोनीपत के जगदीशपुर केवीके का दर्ज हुआ। जहां न्यूनतम तापमान 12.2 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, आगामी दिनों की बात करें तो हरियाणा में अब मौसम साफ रहने की संभावना है। जिसके चलते दिन के समय धूप खिली रहेगी। वहीं 15-20 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं भी चलने की संभावना है। दिन का मौसम गर्म व रात का मौसम ठंडा हो रखा है। खुला व साफ मौसम को किसान लावणी के लिए ठीक मान रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट बोला- पेड़ काटना इंसान की हत्या से बदतर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि बड़ी संख्या में पेड़ों को काटना किसी इंसान की हत्या से भी बदतर है। पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वालों पर कोई दया नहीं दिखाई जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने आगरा के ताज महल के आस-पास अवैध रूप से काटे गए प्रत्येक पेड़ के लिए एक लाख रुपए का जुर्माना लगाने को मंजूरी दी है। साथ ही जुर्माने के खिलाफ लगाई गई याचिका को खारिज कर दिया। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने स्पष्ट किया कि कोई भी व्यक्ति संबंधित अधिकारी या संस्थान से अनुमति लिए बिना पेड़ नहीं काट सकता। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट एक याचिका की सुनवाई कर रहा था, जिसमें एक व्यक्ति ने पेड़ काटने पर जुर्माना लगाने पर जुर्माना और कार्रवाई न करने की मांग की थी।

भाजपा का 'सौगात-ए-मोदी' कार्यक्रम विशुद्ध रूप से राजनीतिक -मायावती

नई दिल्ली (एजेंसी)। अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सौगात-ए-मोदी कार्यक्रम की घोषणा के एक दिन बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने बुधवार को इसे विशुद्ध रूप से राजनीतिक कार्यक्रम करार दिया। भाजपा ने अल्पसंख्यकों से जुड़ने के उद्देश्य से मंगलवार को राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम शुरू किया, जिसकी शुरुआत महिलाओं के लिए खाद्य सामग्री और कपड़ों से युक्त किट के वितरण से हुई। मायावती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''ईद, बैसाखी, गुड फ्राइडे, ईस्टर पर 32 लाख गरीब अल्पसंख्यक परिवारों तक सौगात-ए-मोदी के रूप में प्रधानमंत्री का 'प्रेम संदेश व भेंट' पहुंचाने की घोषणा के पीछे भाजपा का राजनीतिक स्वार्थ है।'' उन्होंने आगे लिखा, ''जब मुस्लिम एवं बहुजन समाज जान-माल, मजहब की सुरक्षा को लेकर दुखी और चिंतित है तो इसका (कार्यक्रम का) क्या लाभ?'' बसपा प्रमुख ने लिखा है

''बेहतर होता अगर भाजपा की केंद्र

और राज्य सरकारें मुस्लिम और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक समाज के कुछ गरीब परिवारों को 'सौगात-ए-मोदी' देने के बजाय उनकी अपार गरीबी, बेरोजगारी और पिछड़ेपन को दूर करने के लिए रोजगार की स्थायी व्यवस्था करतीं और उनकी सुरक्षा पर भी उचित ध्यान देतीं।

पंजाब बजट, महिलाओं को 1100 नहीं मिले

पंजाब (एजेंसी)। पंजाब सरकार के चौथे बजट में भी महिलाओं को 2022 में दी गई हर महीने 1100 रुपए मिलने की गारंटी पूरी नहीं हुई। बजट से एक दिन पहले ही खुलासा कर दिया था कि इस बजट में भी महिलाओं की उम्मीद पूरी नहीं होगी। इससे स्पष्ट है कि सरकार अब 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से एक साल पहले 2026 के आखिरी बजट में इसके लिए बजट रखेगी। वहीं, नशे को लेकर सरकार ने गंभीरता दिखाई है। इसके लिए सरकार अगले साल पंजाब में ड्रग जनगणना यानी नशा करने वालों की गिनती करेगी। इस पर 150 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इस राशि में मौजूदा पुनर्वास केंद्रों का विस्तार किया जाएगा और नए नशा मुक्ति केंद्र खोले जाएंगे। पुलिस और विशेष टास्क फोर्स को ड्रग डिटेक्शन उपकरण और अत्याधुनिक तकनीक से लैस

किया जाएगा ताकि वे तस्करों पर कड़ी नजर रख सकें। इसके बाद इंडस्ट्री को प्रफुल्लित करने के लिए सरकार ने 250 करोड़ रुपए का अलग से बजट रखा है। इस साल उद्योगों के बजट में भी 39.6 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की है। एमएसएमई क्षेत्र को विशेष पैकेज के रूप में वित्तीय सहायता, सब्सिडी और आसान ऋण सुविधाएं दी जाएंगी। नए औद्योगिक पार्कों के लिए अतिरिक्त 100 करोड़ आवंटित किए गए हैं वहीं, नौकरी को लेकर वित्तमंत्री हरपाल चीमा ने दावा किया कि हमने 51 हजार नौकरियां दी हैं। उधर, शिक्षा क्षेत्र के लिए 20,050 करोड़ का प्रावधान किया है। इसे पिछले वर्ष की तुलना में 8.5 प्रतिशत अधिक बताया गया है। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, स्कूलों और कॉलेजों के बुनियादी ढांचे को उन्नत करने में यह बजट खर्च किया जाएगा। स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 11,200 करोड़ का भारी भरकम बजट रखा गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 15.7 प्रतिशत अधिक है।

सरकार ने आम आदमी क्लिनिक योजना को और विस्तार देने के लिए ?500 करोड़ आवंटित किए हैं। वर्तमान में 881 आम आदमी क्लिनिक संचालित हैं। मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों के लिए 900 करोड़ का बजट रखा गया है। पंजाब विधानसभा चुनाव 2022 से पहले आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने महिलाओं से वादा किया था कि अगर उनकी सरकार पंजाब में बनती है, तो राज्य की 18 साल से ऊपर की हर महिला को हर महीने 1000 की आर्थिक सहायता दी जाएगी। बाद में इसे 1100 प्रति माह कर दिया गया और इसे महिला सशक्तिकरण योजना का नाम दिया गया।

अरविंद केजरीवाल ने 2022 में अपने चुनावी अभियान में इस योजना को फ्रदुनिया की सबसे बड़ी महिला सशक्तिकरण योजनाफ्र बताया था। उन्होंने कहा था कि इससे राज्य की हर महिला आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होगी और उन्हें अपने खर्चों के लिए किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। हालांकि,क्क नेताओं का तर्क है कि जनता ने उन्हें पूरे 5 साल का टाइम दिया है।

स्वीटी बूरा ने कुर्सी पर बैठे दीपक हुड्डा का दबा दिया गला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉक्सर स्वीटी बूरा और उनके पति और बीजेपी नेता दीपक हुड्डा इन दिनों काफी चर्चा में हैं। दोनों के बीच आरोप प्रत्यारोप जारी है, वहीं अब इन दोनों का एक वीडियो वायरल हो रहा है। घटना हरियाणा में हिसार स्थित महिला थाने का बताई जा रही है। वीडियो में देखा जा सकता है कि थाने में पहले दोनों के बीच बहस होती है फिर अचानक स्वीटी अपनी कुर्सी से उठ जाती है और दीपक का गला दबाने लगती है। आस-पास खड़े परिजन बीच-बचाव करते हैं। भारत की राष्ट्रीय कबड्डी टीम के पूर्व कप्तान दीपक हुड्डा ने पत्नी और बॉक्सर स्वीटी बूरा, उनके पिता महेंद्र सिंह और मामा सत्यवान पर महिला पुलिस थान में उनके साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। मारपीट का ये वीडियो 15 मार्च का बताया जा रहा है जो अब सामने आया है। हुड्डा और बूरा के बीच विवाद चल रहा है, जिसमें बूरा ने हुड्डा पर जहां दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया हुआ है, वहीं हुड्डा ने बूरा के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया है। इसी सिलसिले में हिसार महिला पुलिस थाने ने 15 मार्च को पूछताछ के लिए बुलाया था। पूछताछ के दौरान दीपक और बूरा के बीच कहासुनी हो गई।

इंपैक्ट प्लेयर नियम को अब टी20 क्रिकेट के विकास का हिस्सा मान रहे धोनी

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इंपैक्ट प्लेयर नियम को लेकर बहस जारी है। जहां स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा और ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या इसे सही नहीं मानते। वहीं भारतीय टीम के पूर्व कप्तान मेहेंद्र सिंह धोनी का मानना है कि जब इस नियम को पहली बार लागू किया गया तो वह इसकी जरूरत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं थे पर अब उन्हें लगता है कि ये टी20 क्रिकेट के विकास का ही एक हिस्सा है। धोनी हालांकि अपने को इंपैक्ट प्लेयर नहीं मानते हैं। इसका कारण है कि वह अभी भी विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका निभाते हैं।

धोनी ने कहा, 'जब पहली बार यह नियम लागू किया गया तो मुझे लगा कि वास्तव में इसकी जरूरत नहीं है हालांकि कुछ हद तक ये उनके लिए फायदेमंद रहा भी और नहीं भी। साथ ही कहा कि मैं अभी विकेटकीपिंग कर रहा हूं, इसलिए मैं इंपैक्ट प्लेयर नहीं हूं। मुझे इसके अनुसार ही आगे बढ़ना होगा। कई लोगों का कहना है कि इस नियम के कारण बड़े स्कोर बन रहे हैं पर मेरा मानना है कि खिलाड़ियों के सहज होकर खेलने से ऐसा हो रहा है क्योंकि अब उनके ऊपर दबाव नहीं है। वहीं रोहित और पांड्या जैसे खिलाड़ियों का मानना है कि इस नियम से ऑल राउंडरों को नुकसान हो रहा है। टीम इंपैक्ट प्लेयर की भूमिका के लिए आक्रामक बल्लेबाजों को ही शामिल कर रही है।

धोनी ने कहा कि इस नियम से टीमों को कड़ी हालातों में एक अतिरिक्त बल्लेबाज रखने का अवसर मिल रहा है।

बोल्ड अंदाज में नजर आयी नताशा स्टेनकोविक

मुम्बई (एजेंसी)। क्रिकेटर हार्दिक पांड्या से तलाक के बाद उनकी पूर्व पत्नी और सर्बियाई मॉडल नताशा स्टेनकोविक नताशा एक बार फिर भड़कीलें अंदाज में नजर आयीं हैं। नताशा ने सोशल मीडिया में अपनी बिकिनी की तस्वीरें साझा की हैं। वह समुद्र में मस्ती करती नजर आ रही हैं। क्रिकेट प्रशंसका भी नताशा के इस पुराने रूप को देखकर हैरान हैं। उनकी तस्वीरों पर कई कमेंट भी आ रहे हैं। हार्दिक नताशा स्टेनकोविक के अफेयर की शुरुआत 2018 में शुरू हुई जब वे मुंबई के एक नाइट क्लब में मिले। वहीं साल 2018 = में पंड्या ने मुंबई में एक भव्य जन्मदिन समारोह की मेजबानी की, जिसमें नतासा उपस्थित थीं। दोनों पहली बार मिले। वहीं साल 2020 = में कोरोना महामारी के बीच ही लॉकडाउन में दोनो की शादी हुई। वहीं इसके बाद दोनों के घर बेटे अगस्त्य पंड्या का जन्म हुआ, जो उनके रिश्ते में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ।

वहीं साल 2023 में इस जोड़े ने उदयपुर में ईसाई और हिंदू दोनों रीति-रिवाजों के साथ फिर से शादी की। वहीं इसके एक साल बाद ही दोनों की शादी टूटने की पहली बार अफवाह फैली। इसके बाद दूरियां बढ़ती गयीं और 2024 में ये दोनो आधिकारिक तौर पर अलग हो गये। इसके बाद नताशा सर्बिया लौट गई मॉडलिंग में लग गयी।

मुंबई या अहमदाबाद नहीं यहां खेला जाएगा डब्ल्यूसी 2025 का फाइनल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की मेजबानी में इस साल के आखिर में विमेंस वनडे वर्ल्ड कप 2025 खेला जाना है। पंजाब के मुल्लानपुर स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम को विमेंस वनडे वर्ल्ड कप फाइनल की मेजबानी करने वाला है। टूर्नामेंट 29 सितंबर से 26 अक्टूबर के बीच के बीच आयोजित होने की संभावना है।

ईएसपीएनक्रिकइन्फो भारत की मेजबानी में आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में विशाखापत्तनम, तिरुवनंतपुरम, रायपुर और इंदौर के अलावा मुल्लानपुर में भी मैच खेले जाएंगे। चंडीगढ़ के बाहरी इलाके में स्थित मुल्लानपुर में ओपन-एयर स्टेडियम है।

मुल्लांपुर, तिरुवनंतपुरम या रायपुर में से किसी ने भी अभी तक महिलाओं के अंतर्राष्ट्रीय मैच की मेजबानी नहीं की है। इंदौर के नेहरू स्टेडियम ने दो महिला वनडे मैचों की मेजबानी की है। इसमें 1997 का वर्ल्ड कप भी शामिल है। लेकिन इस बार इंदौर में होलकर स्टेडियम में वर्ल्ड कप मैच होने की संभावना है। विशाखापत्तनम में केवल एसीए- वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम ने 6 महिला टी20 और पांच महिला वनडे मैचों की मेजबानी की है। आखिरी मैच 2014 में हुआ था।

ये टीमें कर चुकी हैं क्वालिफाई

मेजबानी भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका पहले ही टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर चुके हैं। अंतिम दो टीमों का फैसला 9 अप्रैल से लाहौर में खेले जाने वाले महिला वर्ल्ड कप क्वालिफायर में होगा। अगर पाकिस्तान क्वालिफाई करता है, तो वर्ल्ड कप हाइब्रिड मॉडल में आयोजित किया जाएगा। यूएई या श्रीलंका में पाकिस्तान के मैच हो सकते हैं, क्योंकि बीसीसीआई और पीसीबी की चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले हाइब्रिड मॉडल पर सहमति बनी थी।

गुजरात के खिलाफ मुकाबले से पहले पंजाब किंग्स ने लॉन्च की ऑफिशियल जर्सी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स आज आईपीएल 2025 का पहला मैच खेल रही है। इससे पहले पंजाब ने सोशल मीडिया पर पोस्ट की है। इस पोस्ट में पंजाब किंग्स ने अपने इरादे जाहिर किए हैं। पोस्ट में उसने अपना मकसद बताया है। इसके अलावा एक वीडियो भी पोस्ट की गई है। ये वीडियो टीम की ऑफिशियल जर्सी का लॉन्च है। वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा है कि ऑफिशियल जर्सी का हैंडओवर पूरा हो चुका है। साथ ही पंजाब अब आईपीएल 2025 में गरजने को तैयार है। वहीं पंजाब के द्वारा शेयर किए गए वीडियो में रिकी पोंटिंग से लेकर युजवेंद्र चहल और श्रेयस अय्यर समेत सभी अन्य खिलाड़ी दिखाई दे रहे हैं। बता दें कि, पंजाब अपना पहला मुकाबला गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेल रही है। पंजाब किंग्स ने एक्स पर अपना मकसद बनाते वाली पोस्ट शेयर की है। इस पोस्ट में लिखा है कि, इस सीजन का एक ही मकसद... बस, जीतना है। इसके साथ कप्तान श्रेयस अय्यर और अन्य खिलाड़ियों का पोस्टर भी लगा हुआ है। वहीं, ऑफिशियल जर्सी लान्च का वीडियो जारी किया गया है। इस वीडियो में पंजाब के हेड कोच रिकी पोंटिंग खिलाड़ियों को संबोधित कर रहे हैं। वह कहते हैं कि ये मेरे लिए, श्रेयस के लिए या किसी और के लिए नहीं है। ये इस कमरे में मौजूद सभी के लिए है। हम सभी को एक साथ आना होगा और एक बेहतरीन टीम बनना होगा।

फिलहाल, अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने टॉस जीतकर पंजाब को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया है। वहीं पंजाब कि टीम की कप्तान श्रेयस अय्यर निभा रहे हैं।

नोट आउट थे ग्लेन मैक्सवेल, श्रेयस अय्यर से हुई गलती, दर्ज हुआ शर्मनाक रिकॉर्ड

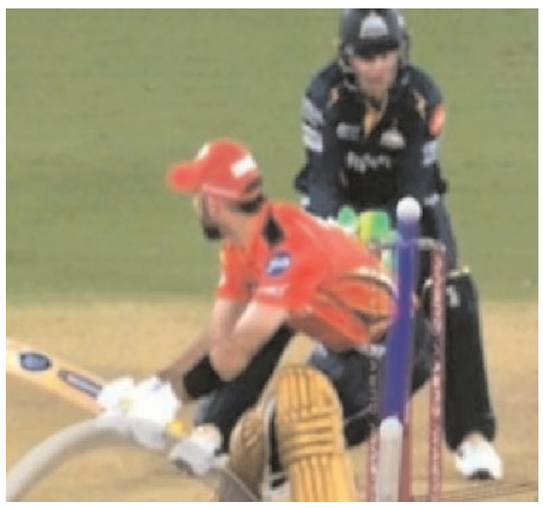

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्लेन मैक्सवेल की आईपीएल 2025 में शुरुआत अच्छी नहीं हुई है। पंजाब किंग्स के पहले मैच में वह गोल्डन डक आउट हुए। उन्हें गुजरात टाइटंस के स्पिन गेंदबाज साई किशोर ने एलबीडबल्यू आउट किया। हालांकि, अगर वह डीआरएस ले लेते तो बचा जाते, क्योंकि वह नॉट आउट थे। वहीं दूरी छोर पर खड़े कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी मैक्सवेल को रिव्यू के लिए नहीं कहा, जबकि मैक्सवेल ने जाते हुए उनसे इस बारे में बात की थी।

अज़मतुल्लाह ओमरज़ई के आउट होने के बाद ग्लेन मैक्सवेल क्रीज पर आए थे। 10 ओवर की चौथी गेंद पर साई किशोर ने मैक्सवेल को आउट कर लगातार 2 गेंदों में 2 विकेट चटकाए। इस गेंद को मैक्सवेल समझ नहीं पाए और गेंद सीधा पैड पर जाकर लगी। अपील हुई तो अंपायर ने आउट करार दिया। मैक्सवेल पवेलियन लौटते हुए श्रेयस अय्यर से बात करने के लिए रुके, पूछा और फैसला हुआ कि रिव्यू ना लिया जाए। हालांकि, बाद में स्क्रीन पर दिखा कि गेंद विकेट को मिस करती हुई ऊपर से जा रही थी यानी अगर डीआरएस लिया जाता तो मैक्सवेल नॉट आउट रहते।

ग्लेन मैक्सवेल के नाम आईपीएल में शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया। वह आईपीएल में सबसे ज्यादा बार जीरो पर आउट होने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वह कुल 19 बार जीरो पर आउट हुए हैं। मुंबई इंडियंस के प्लेयर रोहित शर्मा और पूर्व आरसीबी प्लेयर दिनेश कार्तिक इस लिस्ट में क्रमश दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं।

जानें कौन हैं प्रियांश आर्य गुजरात टाइटंस के खिलाफ मचाया तूफान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रियांश आर्य ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ पंजाब किंग्स के लिए पारी का आगाज किया। 47 रनों की शानदार पारी खेली। ये उनका आईपीएल डेब्यू मैच है। आर्य दिल्ली प्रीमियर लीग में एक ओवर में 6 छक्के लगाने के बाद सुर्खियों में आए थे। प्रियांश ने 23 गेंदों में 47 रनों की पारी खेली, इसमें 2 छक्के और 7 चौके जड़े।

गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। पंजाब किंग्स के लिए प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन ने पारी की शुरुआत की, दोनों ने पहले विकेट के लिए 28 रन जोड़े।

प्रियांश शर्मा ने पिछले साल हुई दिल्ली प्रीमियर लीग के पहले सीजन में एक और में 6 छक्के जड़े थे। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के लिए खेले प्रियांश ने नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के खिलाफ ये कारनामा किया था।

आईपीएल में डेब्यू कर चुके प्रियांश आर्य ने कुल 18 टी20 मुकाबले खेले हैं। इसमें उन्होंने 573 रन बनाए हैं। उनका सर्वाधिक स्कोर 102 रन का है। एक शतक के अलावा उन्होंने 3 अर्धशतक भी लगाए हैं। इनमें उनके नाम 36 छक्के और 54 चौके हैं। इसके अलावा प्रियांश आर्य ने लिस्ट ए में 7 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 77 रन बनाए हैं।

श्रेयर अय्यरने दी कुर्बानी, अर्शदीप ने डेथ ओवर्स में किया कमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 सीजन में मंगलवार को गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स के बीच शानदार मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियन में खेला गया। इस मैच में श्रेयर अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स की टीम ने 11 रनों से मैच पर कब्जा किया। इस मैच में टॉस हारने के बाद पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी की और पांच विकेट खोकर गुजरात को 244 रन बनाने का लक्ष्य दिया। इसके जवाब में गुजरात टीम 5 विकेट गंवाकर 232 रन ही बना सकी और होमग्राउंड में ही मैच गंवा बैठी। गुजरात के लिए साई सुदर्शन ने 41 गेंदों पर सबसे ज्यादा 74 रनों की पारी खेली। वहीं जोस बटलर ने 54 रन बनाए। इस मैच में पंजाब किंग्स की जीत के लिए कई अहम कारण रहे।

दिल्ली प्रीमियर लीग में एक ओवर में छक्के जड़ने वाले प्रियांश आर्य ने पंजाब किंग्स के लिए आईपीएल डेब्यू इसी

मैच से किया है। इस मैच में अपना खेल दिखाकर उन्होंने ये बता दिया कि वो लंबी रेस के घोड़े है। इस मैच में उन्होंने 7 चौके और 2 छक्के की मदद से 23 गेंदों पर 47 रन बनाए। हालांकि वो अपना अर्धशतक लगाने से चूक गए, मगर उनका स्ट्राइक रेट 204.34 का रहा। प्रियांश ने जिस तरह से आक्रामक बल्लेबाजी की थी, उस कारण पंजाब की टीम शुरुआत से ही मजबूत स्थिति में रही। टीम के अन्य बल्लेबाजों को भी इससे खेलने का शानदार मौका मिला।

पंजाब किंग्स ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए इस मैच में रनों का अंबार लगा। मैच में 17वें ओवर से 20 वें ओवर के दौरान पंजाब के कप्तान श्रेयस से महज चार गेंदे खेलते हुए सात रन बनाए। इस मैच में वो नाबाद 97 रन बनाकर पवेलियन लौटे। डेथ ओवर्स के दौरान भी श्रेयस ने ये नहीं सोचा की अपना शतक पूरा करें बल्कि नॉन स्ट्राइक एंड पर खड़े शशांक सिंह को खुलकर खेलने की छूट दी। उन्होंने अंतिम तीन ओवर में स्ट्राइक संभालते हुए चौकों-छक्कों की बौछार की शशांक ने मैच के बाद बताया कि श्रेयस ने साफ कहा था कि मेरे शतक पर नहीं बल्कि चौके जड़ने पर ध्यान लगाओ। इसके बाद शशांक ने धमाकेदार चौके-छक्के जड़ते हुए 16 गेंदों में 44 रन बनाए। इस पारी में छह चौके और दो छक्के जड़े। इस पारी की बदौलत पंजाब 243 रन बनाने में सफल रहा। अंतिम ओवर में श्रेयस के पास स्ट्राइक नहीं आई। शशांक को अंतिम ओवर मोहम्मद सिराज ने डाला, जिसमें उन्होंने पांच चौकों की मदद से 23 रन बटोरे। ये ओवर मैच विनिंग साबित हुआ और अंत में पंजाब ने 11 रन से ये मुकाबला जीता।

वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर स्वीटी बूरा ने किया बड़ा दावा, कहा- दीपक हुड्डा का लड़कों में इंटरेस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा की वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर स्वीटी बुरा और पति दीपक हुड्डा में विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। स्वीटी बुरा ने थाने के अंदर बीजेपी नेता पति दीपक हुड्डा को पीटा और इसकी वीडियो भी सामने आई। अब स्वीटी बूरा ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर बड़ा दावा किया है। स्वीटी बूरा ने कहा कि उनके पतिन दीपक हुड्डा का लड़कों में इंटरेस्ट है। उन्होंने बताया कि दीपक ने उन्हें वीडियो दिखाने के लिए बुलाया था। लेकिन वीडियो का शुरू और आखिरी हिस्सा गायब था। इस हिस्से में दीपक उन्हें गालियां दे रहा था और बाद में उन्हें पैनिक अटैक आया था। स्वीटी ने आरोप लगाया कि हिसार एसपी दीपक के साथ मिला हुआ है और दोनों को फांसी की सजा होनी चाहिए।

स्वीटी ने कहा कि हिसार एसपी ने थाने का वीडियो तोड़-मरोड़ कर पेश किया है। उन्होंने बताया कि उनके पापा

और मामा का नाम भी दीपक ने एफआईआर में लिखवाया है, जबकि वीडियो में साफ दिख रहा है कि उनके पापा और मामा दीपक के पास तक नहीं गए थे। स्वीटी ने कहा कि दीपक ने झूठा मेडिकल करवाया और उनके मामा और पिता का नाम एफआईआर में लिखवाया।

स्वीटी ने हाथ जोड़कप कहा कि अगर वह इतनी बुरी हैं तो दीपक उन्हें तलाक क्यों नहीं दे देते। उन्होंने कहा कि वह सिर्फ तलाक मांग रही हैं और कुछ नहीं। उन्होंने ना प्रॉपर्टी मांगी है, ना पैसा, यहां तक कि जो उनका पैसा दीपक ने खाया है वह भी नहीं मांग रही हैं।

बता दें कि, स्वीटी और दीपक की शादी 3 साल पहले हुई थी। स्वीटी ने पति दीपक पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करवाई थी। उन्होंने कहा कि शादी में एक करोड़ और फॉर्च्यूनर देने के बावजूद उन्हें कम दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया। दीपक का कहना था कि स्वीटी ने सोते हुए उनका सिर फोड़ा और उन पर चाकू से हमला किया। दोनों की शिकायतों पर हिसार और रोहतक में केस दर्ज हो चुके हैं। स्वीटी और दीपक इस वक्त बीजेपी नेता हैं, दीपक ने महम सीट से पिछला विधानसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए थे।

सतना में कांग्रेस विधायक बोले- इन्हें भाजपा का प्रचार करने छोड़ा, ये दूसरों का खेत चर रहे

सांड से साधु-संत और महामंडलेश्वर की तुलना

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के अमरपाटन से कांग्रेस विधायक डॉ. राजेंद्र कुमार सिंह ने साधु-संत और महामंडेश्वर की तुलना सांड से कर दी है। राजेंद्र सिंह बुधवार को सतना में जिला स्तरीय कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा- भाजपा ने साधु-संत, संन्यासी, बाबा बैरागी और महामंडलेश्वरों को छोड़ दिया जनता के बीच। जाओ हिंदुत्व की बात करो, भाजपा का प्रचार करो, सनातन की बात करो। और ये सांड.. चर रहे हैं दूसरों का खेत। ये जो भारत की पहचान है, धर्म निरपेक्षता की, समाजवाद की। संवैधानिक संस्थाओं की मजबूती, सब कुछ चरमरा रही है।

राजेंद्र सिंह जब ये बात कह रहे थे, तब मंच पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी समेत कई सीनियर नेता मंच पर मौजूद थे।

कांग्रेस विधायक राजेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा- आज हम विपरीत परिस्थितियों में हिमालय के सामने खड़े हो गए हैं। भारतीय जनता पार्टी अब वो पार्टी नहीं रही। गोलवलकर जी, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और उनके जो अधिष्ठाता थे, उन्होंने जो बीज बोया था, हिंदू राष्ट्र बनाने का, धर्म के नाम पर भारत की पहचान बनाने का। वह बीज आज पनपकर पौधा बन गया है और वृक्ष बन रहा है। उस विचार धारा को बढ़ाने के लिए वे निरंतर वे प्रयास करते हैं। उन्होंने आगे कहा- संयोग ऐसा कि राम मंदिर आ गया, महाकुंभ आ गया। कितना प्रचार हुआ, मैंने तो गणित लगाया। 10-12 करोड़ से ज्यादा लोग नहीं गए। मैं विज्ञान का विद्यार्थी रहा हूं, इंजीनियर हूं। 60 करोड़ लोग, वाट्सएप यूनिवर्सिटी ने लोगों के दिमाग में भर दिया।

उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी से कहा- जिसे मंजिल समझ रहे हो जीतू भाई वो बसेरा है। मशाल जलाओ, अभी बहुत अंधेरा है।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा- पीछे की बातें भूलो। प्याज के छिलके निकालने से कुछ नहीं होगा। अब संगठन में परिवर्तन की जरूरत है। तेरा-मेरा मत देखना। ईमानदार और हक वाले को पद देना है। अभी कोई चुनाव नहीं है, यह संगठन की बात है। पटवारी ने संगठन में बदलाव का ऐलान करते हुए कहा कि तीन साल से जमे ब्लॉक अध्यक्षों को बदला जाएगा और अच्छा काम करने वालों को ऊपर लाया जाएगा। आज एक साथ चलने की जरूरत है।

सोमवारी बाजार मे लोगों को चाकू दिखाकर डराने वाला आरोपी चाकू सहित गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अमहिया थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली की सोमवारी बाजार में एक व्यक्ति हाथ मे चाकू लिये है जो चाकू दिखाकर आने जाने वालो को डरा रहा है सूचना पर प्रधान आरक्षक मकरध्वज तिवारी एवं आरक्षक धर्मेंद्र पटेल को तलब कर हमराह स्टाफ के साथ मुखबिर के बताए स्थान सोमवारी बाजार भेजा गया जहां पुलिस की टीम ने देखा कि एक व्यक्ति हाथ में चाकू लेकर लहरा रहा था तथा आने जाने वालो को चाकू दिखाकर डरा रहा था जिस पर उक्त व्यक्ति को हमराही स्टाफ एवं स्थानीय लोगों की मदद से घेराबंदी कर हिरासत मे लेकर पूंछताछ की जा रही है। इसके साथ ही अमहिया पुलिस ने बाजार से ही एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया है जो बका दिखाकर लोगों को डराने का प्रयास कर रहा था।

दूध व्यापारी पर आधा दर्जन आरोपियों ने हमला कर की हत्या

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। दूध बेचकर घर जा रहे व्यापारी पर रास्ते में आधा दर्जन आरोपियों ने हमला कर हत्या कर दी। घटना की सूचना पर पहुंची गुढ़ पुलिस ने शव को पीएम के लिए अस्पताल भेजा, वहीं संदेहियों को पकड़कर पूछताछ शुरू कर दी है। मृतक छोटे लाल यादव उम्र 53 वर्ष, निवासी ग्राम उमरी के भाई ने बताया कि रोज़ाना की तरह छोटेलाल शहर में दूध की बिक्री कर गांव वापस जा रहे थे। जैसे ही उमरी मोड़ के समीप पहुंचे, तभी वहां पहले से घात लगाकर बैठे परिवार के लोगों ने ही उन पर प्राणघातक हमला कर दिया। आरोपियों ने लाठी-डंडे, गुप्ती और चाकू से हमला किया, पीड़ित को गंभीर अवस्था में स्वस्थ लाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। हत्या की वजह बाणसागर डैम में फंसी ज़मीन के मुआवज़े को लेकर हुआ विवाद बताया जा रहा है। वारदात के बाद गांव में सनाका खिंच गया है।

घूमने निकले पांच दोस्त सड़क हादसे का शिकार, तीन की मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। घर से ,घूमने के लिए निकले पांच दोस्त सड़क हादसे का शिकार हो गए। दुर्घटना में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल रीवा में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक राज खटिक, राजीव रजक, प्रिंस खटिक, कृष खटिक और लाली चिकवा सभी निवासी चिकान टोला और मालियान टोला, एक साथ कार में सवार होकर घूमने निकले थे, जैसे ही युवकों की कार गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम अमलकी के पास पहुंची तभी निर्माणाधीन नहर में जा गिरी। हादसे में तीन युवकों की घटना स्थल पर मौत हो गई, जबकि दो घायल हुए हैं। मृतकों में राज खटिक, राजीव रजक और प्रिंस खटिक शामिल हैं। जबकि कृष खटिक और लाली चिकवा घायल हैं। बताया जा रहा है कि जिस स्थान पर ये हादसा हुआ है वहां नहर पर पुल का निर्माण कार्य चल रहा है, जिसके चलते मार्ग डायवर्ट किया गया है। लेकिन अंधेरा होने और कार की गति तेज़ होने की वजह से शायद चालक को डायवर्जन मार्ग समझ नहीं आया और कार सीधे निर्माणाधीन पुलिया से टकराती हुई नहर में जा गिरी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंची। और सभी को कार से बाहर निकाला गया।

चोरहटा पुलिस ने बनाया ब्राउन शुगर का मैनेजमेंट, इधर पुलिस की लापरवाही ने ले ली 93 बकरियों की जान

कार्यवाही के लिए जांच तक का आश्वासन देने से कतरा रहे वरिष्ठ अधिकारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा। शहर की चोरहटा थाना पुलिस का अजब गजब कारनामा उजागर हुआ हैं जहां चोरहटा थाने की पुलिस ने अंतराष्ट्रीय मार्केट में बैन चल रहे ब्राउन शुगर की कार्यवाही पर ही मैनेजमेंट कर लिया और अधिकारियों को इसकी भनक तक नहीं लगी। साथ ही पुलिस की टीम के द्वारा मैनेजमेंट पर की गई कार्यवाही में 25 ग्राम गांजे के साथ करीब 20 सीसी नशीली कफ सिरप भी पकड़ी गई थी परन्तु उसे भी पचाने में पुलिस की टीम कामयाब हो गई तथा मामले में पकड़े गए आरोपियों से मोटी रकम लेकर उन्हें भगा दिया। वहीं एक अन्य घटना में पुलिस की ही लापरवाही के चलते 93 बकरियों के जान चली गई मगर इन दो बड़ी घटनाओं के बावजूद अब तक वरिष्ठ अधिकारियों के कान में जूं तक नहीं रेंगी जिससे थाने की पुलिस पर कोई कार्यवाही या घटना की जांच तक की बात की जा सके।

दरअसल सोमवार की दोपहर करीब 2 बजे चोरहटा थाना पुलिस की हंड्रेड डायल वाहन लगभग थाना क्षेत्र का भ्रमण कर रही थी तभी उस वाहन में बैठे पुलिसकर्मियों को थाना इलाके में संचालित कालिका ढाबे में अवैध गतिविधियों के संचालन की जानकारी मिली जिसके बाद आव देख न ताव डायल हंड्रेड वाहन में सवार 3 पुलिसकर्मी तुरंत कालिका ढाबा पहुंच गए जहां से पुलिस की टीम ने ब्राउन शुगर के साथ 25 ग्राम गांजा और 20 सीसी कफ सिरप लिए 3 आरोपी मिल गए जिसपर तीनों आरोपियों को सामान सहित थाने ले जाया गया मगर पुलिस की टीम ने यहां पर चूक कर दी तथा थाने पहुंचने के बाद इन आरोपियों पर किसी भी तरह की कार्यवाही किए बिना आपसी लेनदेन कर उन्हें चलता कर दिया। और उसी शाम पुलिस की कार्यवाही में 93 बकरियों की जान चली गई जिसके बाद अब तक मामलों में कोई ठोस एक्शन नहीं लिया गया है। बताया जा रहा है कि चोरहटा थाने पुलिस ने बीते दिन ट्रक से अवैध रूप से बकरियों को ले जाने के मामले में कार्यवाही की थी इसमें लगभग 315 बकरे बकरियों को एक जगह पर बंद कर दिया गया था लेकिन उनमें से एक सैकड़ा बकरियों की मौत हो गई। इस मामले में अब पुलिस पर सवाल खड़े हो रहे हैं। कि आखिर बेजुबान जानवरों को इस तरह मरने के लिए बेसहारा क्यों छोड़ दिया गया। मामले में चोरी के बकरे बकरियों की तस्करी करने वाले एक पशु तस्कर ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए है बताया गया है कि दो दिन पूर्व पशु तस्कर हमेशा की तरह वाहनों में चोरी के मवेशी भरकर नागपुर भेजने वाले थे जिसकी सूचना चोरहटा पुलिस को मिल गई सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने चोरी के मवेशियों को एक बाड़े में तृतीय पक्ष को सुपुर्द करने के बाद पशु तस्करों को मवेशी के खरीद फरोख्त संबंधी दस्तावेजों को सुबह थाने में लेकर आने का निर्देश दिया था, तस्करों के पास मवेशी संबंधी दस्तावेज न होने के कारण कथित व्यवसाई ने अपने साथियों के साथ मिलकर कुछ बकरे बकरियों को मौत के घाट उतार दिया और सुबह होते ही चीख पुकार मचाते हुए पूरा ठीकरा पुलिस के सर फोड़ दिया। पशु तस्करों का आरोप है कि चोरहटा थाने की पुलिस ने कथित बकरी व्यवसाई से रिश्वत भी ली थी। मामला कुछ भी है परंतु अब इन दोनों ही मामलों में पुलिस की लापरवाही सरे आम उजागर हुई है जिसके बाद से चोरहटा पुलिस से सवाल लाजमी है मगर फिर भी वरिष्ठ अधिकारी इन दोनों ही घटनाओं में कुछ भी कहने से बचते हुए दिखाई दे रहे हैं।

आकाश बनर्जी ने किया 21 वीं बार रक्तदान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना सिन्धु विकास समिति द्वारा लगातार चलाए जा रहे रक्तदान अभियान में सहयोग करने वाले समाजसेवी आकाश बनर्जी जी ने जिला अस्पताल में भर्ती जरूरतमंद को अपने रक्त की सेवा देकर मानव धर्म निभाया उल्लेखनीय है आकाश निरंतर रक्तदान कर रहे हैं एवं इसके पूर्व 20 बार रक्तदान एवं सात बार प्लेटलेट डोनेट कर चुके हैं समिति संस्थाध्यक्ष विनोद गेलानी ने के कुशल मार्गदर्शन में पिछले कई वर्षों से रक्तदान जीवनदान की अलख ज्योति जलाकर इंसानियत का धर्म निभाते हुए मानवता की सेवा कर रही है एवं अभी तक 6559 यूनिट रक्तदान एवं 35 यूनिट प्लेटलेट्स करवाने का एक रिकॉर्ड भी कायम किया है रक्तदान करवाने मे मनमोहन माहेश्वरी एवं विभाष बनर्जी व संजय आहूजा जी,का उल्लेखनीय योगदान रहा।

स्थानांतरित डीआईजी को दी गई भावभीनी विदाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय में आयोजित समारोह में स्थानांतरित डीआईजी साकेत प्रकाश पाण्डेय को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में कमिश्नर बीएस जामोद तथा संभागीय अधिकारियों ने पुष्पहार एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर श्री पाण्डेय को सम्मानित किया। इस अवसर पर कमिश्नर ने कहा कि श्री पाण्डेय जी ने 8 माह तक कमिश्नर कार्यालय के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य किया। विभागीय कार्यों में कठोरता और स्वभाव में सरलता ने आपको सबका चहेता बनाया। रीवा जोन के डीआईजी के रूप में कई बड़ी चुनौतियों का आपने सफलतापूर्वक सामना किया। प्रयागराज महाकुंभ में लगभग डेढ़ महीने तक रात दिन कठोर परिश्रम करके कुंभ तीर्थयात्रियों के लिए व्यवस्थाएं सुनिश्चित की। रीवा संभाग में तीर्थयात्रियों के लिए की गई सुविधाओं की मुख्यमंत्री जी ने प्रसंशा की। आपकी सरलता और सहृदयता सदैव याद रहेगी।

समारोह में स्थानांतरित डीआईजी श्री पाण्डेय ने कहा कि मेरी शिक्षा इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से हुई है। पढ़ाई के दिनों में मैं कॅरियर और जीवन के प्रति गंभीर नहीं था। लेकिन मध्यप्रदेश में पुलिस विभाग में चयन होने के बाद मेरे स्वभाव और जीवन में बहुत परिवर्तन हुआ। रीवा में मुझे चार पदों पर कार्य करने का अवसर मिला। यहाँ के लोगों की आत्मीयता और स्पष्टवादिता का मैं कायल हूँ। पुलिस विभाग के अधिकारियों का अन्य विभागों से बहुत कम संपर्क रहता है लेकिन कमिश्नर श्री जामोद के कारण मेरा लगभग सभी अधिकारियों से अच्छा संपर्क रहा। हम सबने रीवा संभाग में एक परिवार की तरह रहकर कार्य किया। कार्यक्रम में संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, मुख्य अभियंता आईके त्रिपाठी, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा आरपी सिंह, सहायक संचालक कृषि प्रीति द्विवेदी, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास श्रीमती ऊषा सिंह सोलंकी, उप संचालक जनसम्पर्क उमेश तिवारी ने अपने उ–ार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन अवनीश शर्मा ने किया। कार्यक्रम में सभी संभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

झूलेलाल जयंती पर होगा आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में झूलेलाल जयंती के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन होने जा रहा है। तीन दिन तक चलने वाले इस उत्सव में मशहूर कलाकारों का आगमन होगा। झूलेलाल सेवा मंडल ने कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि 28 मार्च की सुबह 8 बजे से कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में कार्यक्रम की शुरुआत होगी। जो 30 मार्च तक चलेगा। इस अवसर पर बाहर के कई मशहूर कलाकारों का आगमन रीवा में होगा। देश के प्रसिद्ध शुभम नथनी बैंड का कार्यक्रम होगा 29 मार्च को सिंधु भवन में एक शाम सिंधियत के नाम कार्यक्रम का आयोजन होगा। जिसमें बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग तक हिस्सा ले रहे हैं और फैंसी ड्रेस जैसे कार्यक्रम एवं नाट्य मंचन का भी आयोजन होगा।

रीवा से मुबई के बीच स्पेशल ट्रेन को 12 ट्रिप के लिए बढ़ाया गया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। ग्रीष्मकालीन अवकाश को देखते हुए शुरू की गई रीवा से मुबई के बीच स्पेशल ट्रेन को 12 ट्रिप के लिए बढ़ाया गया है। ट्रेन का संचालन अब जून तक किया जाएगा। दरअसल रीवा से मुबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल के बीच ट्रेन का संचालन पूर्व में भी किया जाता रहा है, लेकिन छत्रपति शिवाजी टर्मिनल रेलवे स्टेशन ने स्थान का हवाला देकर उक्त ट्रेन को लेने से इंकार कर दिया था, जिससे ट्रेन रद्द कर दी गई थी।

होली मिलन एवं फाग प्रतियोगिता का आयोजन

जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुष्मिता सिंह परिहार ने किया आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रामपुर बाघेलान विधान सभा क्षेत्र के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल देवीधाम बरा(जोधपुर)में जिला पंचायत सतना की उपाध्यक्ष श्रीमती सुष्मिताड्डडॉड्डपंकजड्डसिंहड्डपरिहार द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह एवं फाग प्रतियोगिता का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ!!

इस अवसर पर विभिन्न ग्राम पंचायतों द्वारा, देवी धाम बरा, उमरी शिवराजी, गोल्डन क्लब त्योंधरी, बजरंग क्लब धातुआ, करौंदी, प्रत्याशा रंग मंच ककलपुर, शिवलहरी ककरा, बेला, देवरा नंबर 01,खेरमाई रैकवार, शारदा देवीधाम मैहर, सेवाबस्ती करौंदी सहित कई टीमों ने फाग प्रतियोगिता में अपनी अपनी प्रस्तुति दी, फाग गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बजरंग क्लब धातुआ की टीम एवं द्वितीय स्थान गोल्डन क्लब त्योंधरी की टीम, और तृतीय स्थान शारदा देवीधाम मैहर की टीम ने अर्जित किया!!! प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को चमचमाती ट्रॉफी के साथ नगद राशि से भी सम्मानित किया गया इसके अतिरिक्त प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी टीमों को स्मृति चिन्ह के माध्यम से भी सम्मानित किया गया!!!

इस गरिमामय कार्यक्रम में पुरषोत्तम पीठ देवी धाम बरा आश्रम के श्री श्री 1008श्री जगदगुरू स्वामी प्रमोद बिहारी जी महाराज, सतना भाजपा के जिला अध्यक्ष श्री भगवती प्रसाद पाण्डेय,जिला पंचायत अध्यक्ष श्री रामखेलावन कोल, जिला उपाध्यक्ष श्री विजय तिवारी जिला पंचायत सभापति श्रीमती तारा विजय पटेल,श्री रमाकांत पयासी,श्रीमती प्रियंका वर्मा,श्री सुभाष बुनकर, रामनगर नगरपरिषद अध्यक्ष श्रीमती दीपा मिश्रा जी,भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री राम बेटा पाण्डेय, मंडल अध्यक्ष सज्जनपुर श्री मृगेंद्र सिंह परिहार, रामपुर बघेलान श्री संजय मिश्रा,मौहारी कटरा श्री जितेंद्र मिश्रा,शिक्षक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक श्री रामसागर पाण्डेय,आईटी सेल जिला संयोजक श्री शिवांक त्रिपाठी,भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष श्री पुष्पराज कुशवाहा,श्री अचलेश पयासी ,श्री उमेश तिवारी, श्री उमाकांत गुप्ता,सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधिगण, जनपद पंचायत सदस्य, नगर पंचायतों के पार्षद , सरपंच एवं पंचगण बड़ी संख्या में देवतुल्य जनता जनार्दन उपस्थित रहे!! कार्यक्रम के अंत में जिला पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती सुष्मिता सिंह परिहार ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए सभी को होली एवं फाग उत्सव की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया!!! कार्यक्रम का समापन स्नेह भोज के साथ संपन्न हुआ!!! सुष्मिता सिंह परिहार द्वारा आयोजित किए गए इस कार्यक्रम की चहुओर प्रशंसा की जा रही है!!!

नशा मुक्त युवा विज्ञान स्वास्थ्य एवं विधि विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। इंजीनियरिंग महाविद्यालय रीवा के ऑडिटोरियम में रेड रिबन क्लब और विद्युत् इनोवेशन के संयुक्त तत्वाधान में "नशा मुक्त युवा विज्ञान स्वास्थ्य एवं विधि " विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया ।इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ वक्ता के रूप में सीनियर चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ आनंद सिंह, विधि विशेषज्ञ एवं शासकीय विधि महाविद्यालय रीवा के प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र तिवारी तथा संजय गांधी मेडिकल कालेज रीवा के सुपर स्पेशिलिटी ब्लाक के कार्डियोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. व्ही डी त्रिपाठी उपस्थित रहे। ये कार्यशाला महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ डी के सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित की गई । विषय विशेषज्ञ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ व्ही डी त्रिपाठी ने नशे से होने वाले ह्रदय रोगों पर बात की और कार्डियक हेल्थ टिप्स सुझाए। विधि विशेषज्ञ डॉ योगेन्द्र तिवारी ने नशा मुक्ति, साइबर क्राइम एवं छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार को रोकने के लिए बने कानूनी पक्षों के साथ साथ युवाओं को पॉजिटिव वर्क एडिक्शन अपनाने का सुझाव दिया। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ आनंद सिंह ने नशे से दूर रहते हुए मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने एवं डिप्रेशन से बचते हुए नैतिक एवम् सामाजिक कर्तव्यों से जुड़ने के सुझाव दिए तथा कार्यशाला के अंत में नशा मुक्ति की शपथ छात्र - छात्राओं को दिलाई ।

उप मुख्यमंत्री ने रीवा शहर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा शहर में मूलभूत सुविधाओं के उद्देश्य से निर्माणाधीन कार्यों तथा अधोसंरचना निर्माण व विकास कार्यों की समीक्षा की। श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा शहर तेजी से आगे बढ़ता हुआ शहर है। यहां के निवासियों को मूलभूत सुविधाओं की सुनिश्चितता के उद्देश्य से तथा आगामी वर्षों में शहर की वृद्धि के उद्देश्य से विभिन्न आवश्यक कार्य कराये जा रहे हैं। शहर में मीठा पानी घर-घर तथा उपलब्ध हो इस लिए पानी की 12 टंकियों का निर्माण कराया जा रहा है ताकि पाइपलाइन से सभी जगह मीठे पानी की सप्लाई सुनिश्चित हो सके। उसके साथ ही सीवर लाइन का कार्य भी प्रगति में है। स्थानीय राजनिवास में आयोजित बैठक में उप मुख्यमंत्री ने रीवा वायपास के कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए बिजली के खंभे विस्थापित कर कार्य के प्रगति के निर्देश दिये। उन्होंने बेला-सिलपरा रिंग रोड के कार्य को गति देते की बात कही। शहर में आईटी पार्क निर्माण तथा केन्द्रीय लाइब्रेरी भवन का कार्य को तेजी से पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।